सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 11 ● अंक: 48 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 22 मार्च, 2025

मूल्य ₹ 3/-

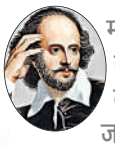

मछलियाँ पानी में रहती हैं, जैसे इंसान जमीन पे रहता है, बड़े वाले छोटे वालों को खा जाते हैं।

-विलियम शेक्सपीयर

जीत के साथ शुरुआत करना चाहेंगी... 7 | दक्षिण की सियासत से उत्तर... 3 | भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार चरम... 2

परिसीमन विरोध पर विपक्ष एक

एनडीए सरकार को घेरने की तैयारी

- तमिलनाडु के सीएम के बुलावे पर नेता पहुंचे चेन्नई
- कई राज्यों के 14 नेताओं ने लिया भाग
- जगन मोहन रेड्डी ने पीएम मोदी से की अपील
- परिसीमन के विरोध में स्टालिन ने की बड़ी बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में आगामी होने वाले परिसीमन को लेकर सियासत तेज हो गई है। इसके विरोध में शनिवार को चेन्नई में बैठक हुई जिसमें 6 राज्यों के सीएम शामिल हुए। ये बैठक तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने बुलाई थी। इस बैठक में ज्यादातर दक्षिणी राज्यों के सीएम शामिल हुए। इन नेताओं ने परिसीमन का विरोध करते हुए केंद्र की मोदी सरकार पर हमला किया। नेताओं ने कहा परिसीमन राज्यों से चर्चा के बाद हो नहीं तो राज्यों के बीच मतभेद हो जाएगा।

विपक्षी नेता ने परिसीमन प्रक्रिया को इस तरह से संचालित करने के महत्व पर प्रकाश डाला कि संसद के दोनों सदनों में राज्यों का मौजूदा आनुपातिक प्रतिनिधित्व बना रहे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संसदीय सीटों के आवंटन में कोई भी बदलाव राज्यों के बीच असमानता पैदा कर सकता है, जिससे राष्ट्रीय स्तर पर उनके राजनीतिक प्रभाव पर असर पड़ सकता है। बैठक में कम से कम पांच राज्यों के 14 नेताओं ने भाग लिया – जिनमें पिनाराई विजयन, भगवंत मान और रेवंत रेड्डी शामिल हैं – जो उच्च आर्थिक विकास और साक्षरता वाले राज्यों के लिए लोकसभा सीटों के परिसीमन अभ्यास से उत्पन्न खतरे पर विचार-विमर्श कर रहे हैं।

ये नेता पहुंचे चेन्नई

बैठक से पहले चेन्नई नगर निगम की कार्यालय इमारत रिपन बिल्डिंग को रंगीन रोशनी से सजाया गया है। संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) की बैठक के प्रति समर्थन दिखाने के लिए आकर्षक मरीना बीच पर मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की रेत की आकृति बनाई गई है। केरल, तेलंगाना और पंजाब के मुख्यमंत्री क्रमशः पिनराई विजयन, रेवंत रेड्डी, भगवंत सिंह मान और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के कार्यकारी अध्यक्ष बलविंदर सिंह भुंडर तथा इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग केरल के महासचिव पीएमए सलाम उन नेताओं में शामिल हैं, जो स्टालिन की अध्यक्षता में होने वाली द्रमुक की जेएसी बैठक में हिस्सा लेने के लिए चेन्नई पहुंचे। कांग्रेस की तेलंगाना इकाई के प्रमुख बी महेश कुमार गौड़ और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव भी चेन्नई पहुंच गए हैं। बीआरएस सूत्रों ने बताया कि केटी रामा राव बैठक में पार्टी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए शुक्रवार रात तमिलनाडु की राजधानी पहुंचे।

लोकसभा या राज्यसभा सीटों की संख्या की कमी से बिगड़ेगा देश का माहौल : जगन मोहन रेड्डी

आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से यह सुनिश्चित करने की अपील की है कि आगामी परिसीमन की प्रक्रिया के कारण किसी भी राज्य का संसद में प्रतिनिधित्व खत्म न हो। शनिवार को प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में रेड्डी ने इस मुद्दे की गंभीरता को रेखांकित करते हुए चेतावनी दी कि किसी राज्य के लिए लोकसभा या राज्यसभा सीटों की संख्या में कोई भी कमी देश के सामाजिक और राजनीतिक सौहार्द को बिगाड़ सकती है। रेड्डी ने अपने पत्र में कहा, परिसीमन की प्रक्रिया इस तरह से संचालित की जानी चाहिए कि किसी भी राज्य को सदन की कुल सीटों की संख्या के संदर्भ में लोकसभा या राज्यसभा में अपने प्रतिनिधित्व में कोई कमी न झेलनी पड़े। रेड्डी ने केंद्र से संविधान में संशोधन पर विचार करने का आग्रह किया ताकि किसी भी राज्य को अपने संसदीय प्रतिनिधित्व में कमी से बचाया जा सके। सीटों के मौजूदा वितरण की सुरक्षा से शासन के प्रति निष्पक्ष और संतुलित दृष्टिकोण सुनिश्चित होगा, क्षेत्रीय असमानताओं को रोका जा सकेगा और संघीय एकता बनी रहेगी। पूर्व मुख्यमंत्री की यह अपील परिसीमन प्रक्रिया पर चर्चा के बीच आई है, जो 2026 की जनगणना के बाद होने की उम्मीद है। इस अभ्यास का उद्देश्य जनसंख्या वृद्धि पैटर्न के आधार पर संसदीय और विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों को फिर से परिभाषित करना है।

डीएमके सरकार परिसीमन प्रक्रिया के निष्पक्ष होने तक लड़ाई जारी रखेगी : स्टालिन

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शनिवार को चेन्नई में इस मुद्दे पर पहली संयुक्त कार्रवाई समिति की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी डीएमके सरकार परिसीमन प्रक्रिया के निष्पक्ष होने तक लड़ाई जारी रखेगी। स्टालिन के नेतृत्व वाली डीएमके ने लंबे समय से चिंता व्यक्त की है कि प्रस्तावित परिसीमन से लोकसभा की संख्यात्मक ताकत उत्तर भारतीय राज्यों के पक्ष में झुक जाएगी और परिवार नियोजन उपायों के लिए दक्षिण भारत को दंडित किया जाएगा, हालांकि भाजपा ने इससे इनकार किया है। वर्तमान जनसंख्या के अनुसार निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन नहीं होना चाहिए। हम सभी को इसका डटकर विरोध करना चाहिए। संसद में जनप्रतिनिधियों की संख्या कम होने से हमारी अपनी बात कहने की ताकत कम हो जाएगी। उन्होंने कहा कि अगर प्रतिनिधित्व कम हो जाता है, तो राज्यों के लिए धन प्राप्त करने के लिए संघर्ष शुरू हो जाएगा।

रेखा सरकार के खिलाफ 'आप' का हल्ला बोल

- पूर्व सीएम आतिशी ने पूछा कबसे मिलेंगे 2500 रुपये

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने महिला सम्मान योजना के क्रियान्वयन न होने का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले पीएम मोदी ने दिल्ली की महिलाओं से वादा किया था कि 8 मार्च को हर महिला को 2500 रुपए मिलेंगे। लेकिन एक भी पैसा जमा नहीं हुआ।

इसका मतलब है कि यह एक जुमला था। 2500 रुपए तो दूर, अभी तक इस योजना के लिए रजिस्ट्रेशन भी शुरू नहीं हुआ है। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि क्या भाजपा सरकार राजधानी में 18 वर्ष से अधिक आयु की लगभग 48 लाख महिलाओं को 2,500 रुपये देगी? या कई तरह की शर्तें लगाकर इसकी एक प्रतिशत से भी कम संख्या को लाभ देगी। आतिशी ने दावा किया कि भाजपा सरकार ने 12 दिन पहले एक समिति बनाई थी, जिसने अभी तक कुछ नहीं किया है। उन्होंने सवाल किया कि इस योजना के लिए पंजीकरण कब शुरू होंगे और लाभार्थी महिलाओं के खातों में पैसे कब आएंगे? भाजपा सरकार ने दिल्ली में गरीब परिवारों की महिलाओं को 2,500 रुपये मासिक सहायता प्रदान करने के लिए 5,100 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं।

पीएम ने जुमलों के बैंक का चेक दिया है जिस पर 2500 रुपए लिखा है : भारद्वाज

आम आदमी पार्टी के दिल्ली अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि प्रधानमंत्री ने वादा किया था कि 8 मार्च को दिल्ली की हर महिला को 2500 रुपए मिलेंगे। हमने जुमलों के बैंक का चेक दिया है, जिस पर 2500 रुपए लिखा है। शायद अब भाजपा को शर्म आएगी और वो अपना वादा पूरा करेगी। इससे पहले आतिशी ने प्रश्न किया था कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा किए गए वादे के अनुरूप राजधानी में महिलाओं को 'महिला समृद्धि योजना' के तहत 2,500 रुपये की मासिक वित्तीय सहायता कब मिलेगी?

भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर: अखिलेश यादव

» बोले- सत्ता संरक्षण में चल रहा लूट का गिरोह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में इन्वेस्ट यूपी में उगाही के मामले को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है। इन्वेस्ट यूपी से लेकर थाने, तहसील तक फैले भ्रष्टाचार से आम जनता त्रस्त है। सत्ता संरक्षण में वसूली और लूट का पूरा गिरोह चल रहा है। हर विभाग में लूट मची है। इस वसूली और भ्रष्टाचार में सरकार के कई अफसरों की भी साठगांठ है।

अखिलेश ने जारी बयान में कहा कि औद्योगिक विकास और निवेश के नाम पर संगठित भ्रष्टाचार हो रहा है। खुलेआम कमीशनखोरी चल रही है। जब वसूली का खुलासा हो गया तो निलंबन का नाटक रचा जा रहा है। इस भ्रष्टाचार का अंतिम पड़ाव अधिकारी नहीं, कोई और है। इस खेल में बड़े-बड़े शामिल हैं। सपा अध्यक्ष ने कहा कि जब बंटवारा सही नहीं हो पाता तो मामला उजागर होता है। भाजपा के नेता और पदाधिकारी स्वयं स्वीकार करते हैं कि उन्होंने इतना भ्रष्टाचार पहले कभी नहीं देखा। भाजपा सरकार में एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं से लेकर सड़कों के निर्माण कार्यों तक में हर जगह लूट हो रही है।

भाजपा के राज में भाजपाई ही खोल रहे राज

वहीं समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा विधायक गुर्जर के बयानों पर कटाक्ष करते हुए योगी आदित्यनाथ सरकार पर हमला बोला। यादव ने 'एक्स' पर भाजपा विधायक के दावों के बारे में एक अखबर की खबर साझा करते हुए कहा, भाजपा के राज में भाजपाई ही खोल रहे राज। कैसे हर तरफ फैला है अन्याय और भ्रष्टाचार। अब क्या इनकी रिपोर्ट भी बदलवाएंगे।

सीएम को गुमराह कर सरकारी खजाने को लूट रहे अधिकारी : गुर्जर

उत्तर प्रदेश की लोनी विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक नंद किशोर गुर्जर ने आरोप लगाया कि अधिकारी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को गुमराह कर सरकारी खजाने को लूट रहे हैं। उन्होंने कहा अधिकारी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को गुमराह कर सरकारी खजाने को लूट रहे हैं। मुख्य सचिव ने तंत्र-मंत्र कर महाराज जी (योगी आदित्यनाथ) का दिमाग बांध दिया है। मुख्य सचिव दुनिया के सबसे भ्रष्ट अधिकारी हैं। नंद किशोर गुर्जर ने आरोप लगाया,अधिकारियों ने अयोध्या में जमीनें लूटी हैं। फटे कुर्ते में संवाददाताओं के सामने आए भाजपा विधायक ने यह भी आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों ने उनके कपड़े फाड़े हैं।विधायक ने कहा कि बृहस्पतिवार को लोनी की महिलाएं 'राम कलश यात्रा' निकाल रही थीं लेकिन पुलिस ने यात्रा को रोकने की कोशिश की, जिससे हालात बिगड़ गये। अपर पुलिस आयुक्त (अंकुर विहार) अजय कुमार सिंह ने बताया कि विधायक और उनके समर्थक बिना किसी अनुमति के यात्रा निकालने की कोशिश कर रहे थे।

पुलिस फर्जी मुठभेड़ों में लोगों की हत्या कर रही

भाजपा विधायक ने अपनी ही पार्टी की सरकार पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि प्रदेश में बड़े पैमाने पर गोहत्याएं हो रही हैं और पुलिस फर्जी मुठभेड़ों में लोगों की हत्या कर रही है। उन्होंने एक वीडियो में गुर्जर समाज से यातायात जाम न करने और हर जगह शांति बनाए रखने की अपील की।

ईडी से बेहतर काम कर रहा दमकल विभाग: पवन खेड़ा

» जज के आवास पर कैश मिलने के बाद कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आवास पर आग बुझाने के दौरान दमकलकर्मियों और पुलिस को भारी मात्रा में नकदी मिली। मामले को लेकर कांग्रेस और भाजपा ने अपनी-अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। कांग्रेस ने कहा कि इस मामले को महज स्थानांतरण से नहीं दबाया जा सकता है।

न्यायपालिका में देश का विश्वास बनाए रखने के लिए यह पता लगाना महत्वपूर्ण है कि यह पैसा किसका है। कांग्रेस ने इस मुद्दे पर भाजपा नीत केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि अग्निशमन विभाग प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से बेहतर काम कर रहा है।

कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि जज के घर से इतनी बड़ी मात्रा में नकदी मिलना बहुत गंभीर मामला है और इसे उनका तबादला करके दबाया नहीं जा सकता। खेड़ा ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, जस्टिस वर्मा उन्नाव दुष्कर्म केस और कई अन्य गंभीर मामलों की सुनवाई कर रहे थे। न्यायपालिका में देश का विश्वास बनाए रखने के लिए यह पता लगाना जरूरी है कि यह पैसा किसका है और जज को क्यों दिया गया। उन्होंने कहा,न्याय की देवी की आंखों से पट्टी हटाते हुए एक पूर्व सीजेआई ने कहा था कि कानून अंधा नहीं है, यह सबको समान रूप से देखता है। इस मामले में यह बात साबित भी होनी चाहिए।

हमें इंतजार करना चाहिए : मनीष तिवारी

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा, खैर जो रिपोर्ट सार्वजनिक हुई है, अगर वह सही है तो यह बहुत गंभीर मामला है। रिपोर्ट के अनुसार, ऐसा लगता है कि सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने मामले का संज्ञान लिया है। इसलिए हमें इंतजार करना चाहिए और देखना चाहिए कि सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम इस मामले में क्या फैसला लेता है। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाले पांच सदस्यीय कॉलेजियम ने कथित घटना के बाद एक तत्काल बैठक की और न्यायमूर्ति वर्मा को दिल्ली उच्च न्यायालय से बाहर स्थानांतरित करने की प्रक्रिया शुरू करने का फैसला किया।

अदालतों के मामलों पर टिप्पणी नहीं करनी चाहिए : भाजपा

मामले पर भाजपा ने कहा कि पार्टी को अदालतों के मामलों पर टिप्पणी नहीं करनी चाहिए और सीजेआई पहले से ही इस मामले से अवगत हैं। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) ने इस मामले पर निर्णय ले लिया है, जिससे उच्च न्यायापालिका पर लोगों की असहज नजर पड़ रही है। हालांकि, भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने एक्स पर एक पोस्ट में उल्लेख किया कि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा ने लोकपाल के निर्देशानुसार शिबू सोरेन के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की सीबीआई जांच रोक दी है।

भाजपा सरकार के वित्तीय कुप्रबंधन के कारण हिमाचल झेल रहा आर्थिक संकट: सुक्खू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि पिछली सरकार के वित्तीय कुप्रबंधन के कारण हिमाचल आर्थिक संकट झेल रहा है। केंद्र सरकार से 68 हजार करोड़ रुपये की विभिन्न ग्रांट मिलने के बावजूद जयराम सरकार ने 40 हजार करोड़ का ऋण भी लिया। विधानसभा सदन में बजट पर चर्चा का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने वर्ष 2017 से 2022 तक केंद्र सरकार से मिली ग्रांट और तत्कालीन सरकार की ओर से लिए गए ऋणों के आंकड़े भी पेश किए।

इस पर भड़के भाजपा विधायकों ने सदन में हंगामा करते हुए गुमराह करने की नारेबाजी की। कुछ देर अपनी सीटों पर खड़े होकर विरोध करने के बाद भाजपा विधायक सदन से बाहर चले गए। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट की आलोचना बहुत ही कमजोर रही। भाजपा विधायकों की ओर से से लगाए आरोप तथ्यों पर आधारित नहीं हैं। विपक्ष की गैर मौजूदगी में मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व की भाजपा सरकार ने हिमाचल को कर्ज के जाल में फंसाया। पूर्व भाजपा

सरकार के कार्यकाल में हिमाचल को राजस्व घाटा अनुदान और जीएसटी क्षतिपूर्ति के रूप में केंद्र सरकार से करीब 68 हजार करोड़ रुपये की उदार धनराशि प्राप्त हुई। भाजपा सरकार ने इस राशि को प्रदेश का कर्ज लौटाने या कर्मचारियों की वेतन आयोग की देनदारियां चुकता करने पर खर्च नहीं किया। चुनावों से पहले पांच हजार करोड़ रुपये की रेवड़ियां बांटी। धड़ाधड़ कई शिक्षण संस्थान खोले। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान कांग्रेस सरकार ने दो वर्ष के कार्यकाल में 29,046 करोड़ रुपये का ऋण लिया है। इसमें से 12,226 करोड़ रुपये पूर्व की सरकार के समय लिए गए ऋणों का ब्याज चुकाने और 8,087 करोड़ रुपये मूल चुकाने पर खर्च हुए हैं।

हिमाचल का हक दे मोदी सरकार : रजनी पाटिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। राज्यसभा सांसद एवं हिमाचल प्रदेश कांग्रेस प्रभारी रजनी पाटिल ने केंद्र की मोदी सरकार से हिमाचल का हक मांगा। उन्होंने शुक्रवार को राज्यसभा में पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश के मुद्दे पर मोदी सरकार को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

रजनी पाटिल ने गृह मंत्रालय की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि वर्ष 2023 में हिमाचल प्रदेश में मानसून के दौरान भयंकर त्रासदी हुई, जिसमें 500 से अधिक लोगों की जान चली गई और हजारों करोड़ों के आधारभूत ढांचे को नुकसान हुआ, बावजूद इसके केंद्र सरकार ने इसकी भरपाई के लिए हिमाचल के साथ भेदभाव किया।

तेजस्वी क्या चीज हैं, मोदी के खिलाफ भी चुनाव लड़ लूंगा : प्रशांत किशोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वैशाली। बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर जनसुराज के अंदर उम्मीदवारी और चुनाव लड़ने का आवेदन दिया जा रहा है। इसमें एक व्यक्ति ने आवेदन दिया था, प्रशांत किशोर राघोपुर से चुनाव लड़ें, जिसको लेकर प्रशांत किशोर ने भी सहमति जताया था और कहा था कि पार्टी का फैसला होगा तो मैं जरूर राघोपुर से चुनाव लड़ूंगा।

पीके बोले, यह सब पार्टी के अंदर तय होगी, पार्टी जहां से चाहेगी वहां से हम चुनाव लड़ेंगे। चाहे वह राघोपुर विधानसभा हो या हरनौत विधानसभा हो या कहीं भी। अगर दल कहेगा तो तेजस्वी यादव के खिलाफ चुनाव लड़ना है तो बिल्कुल लड़ेंगे। तेजस्वी क्या चीज है, अगर पार्टी कहेगी पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ना है तो मोदी के खिलाफ भी चुनाव लड़ेंगे। पार्टी जो फैसला करेगी, वही करूंगा। लेकिन यहां गौर करने वाली बात यह है कि प्रशांत किशोर बिहार के दो विधानसभा क्षेत्र पर अपना नजर बनाए हुए हैं, जिसका जिक्र भी प्रशांत किशोर ने कर दिया है। पहले विधानसभा क्षेत्र तेजस्वी के खिलाफ राघोपुर और दूसरा बिहार के हरनोट विधानसभा क्षेत्र। जहां पर जदयू के उम्मीदवार हरि नारायण सिंह विधायक हैं।

एयरलाइन की निरंतर देरी की प्रवृत्ति बनीं: सुप्रिया सुले

» फ्लाइट हुई लेट तो भड़कीं राकांपा एसपी सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) की नेता सुप्रिया सुले ने शनिवार को एयर इंडिया की आलोचना करते हुए कहा कि वह अंतहीन देरी कर रही है। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू को टैग करते हुए उन्होंने एयरलाइन की निरंतर देरी की प्रवृत्ति की आलोचना की और इसे अस्वीकार्य बताया।

एक्स पर शेयर किए एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि मैं एयर इंडिया की फ्लाइट यू एआई 0508 से यात्रा कर रहा था, जो 1 घंटे 19 मिनट की देरी से उड़ान भर रही थी। यात्रियों को प्रभावित करने वाली देरी की निरंतर प्रवृत्ति का हिस्सा। यह अस्वीकार्य है।

माननीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू से आग्रह है कि वे एयर इंडिया जैसी एयरलाइनों को बार-बार देरी के लिए जवाबदेह बनाने के लिए सख्त नियम लागू करें और यात्रियों के लिए बेहतर सेवा मानक सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि एयर इंडिया की उड़ानें लगातार देरी से चल रही हैं जो अस्वीकार्य है।

दक्षिण की सियासत से उत्तर में आफत!

रेवंत रेड्डी के साथ शिवकुमार भी हमलावर

- नायडू व पवन भाजपा पर नरम
- स्टालिन व सिद्धरमैया के तीखे तेवर
- कुमारस्वामी और शिवकुमार में वार-पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पिछले कुछ महीनों से दक्षिण भारत के नेता पूरे देश में छाए हुए हैं। आंध्र, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल से लेकर तमिलनाडु से केंद्र में बैठी एनडीए सरकार के कभी पक्ष तो कभी विपक्ष में आवाज उठती रहती है। डीएमके नेता व तमिलनाडु के सीएम स्टालिन जहां हिंदु विरोध पर बोलते हैं तो आंध्र के सीएम चंद्रबाबू पक्ष में बोलते है। उधर कर्नाटक में कांग्रेस के डिप्टी सीएम एनडीए की सहयोगी जेडीएस को घेरने को कोई भी मौका नहीं छोड़ते हैं। तो तेलंगाना के सीएम पूरी मोदी सरकार को कटघरे में खड़ा करने से नहीं चूकते हैं। विकास कार्यों को लेकर भी चर्चा होती रहती है।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने प्रतिशोध की राजनीति के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि सरकारी अधिकारी केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी से जुड़े अतिक्रमण के मामले में केवल अदालती आदेशों का पालन कर रहे हैं। यह मामला कर्नाटक के रामनगर जिले में कुमारस्वामी के परिवार द्वारा 14 एकड़ जमीन पर कथित अतिक्रमण से संबंधित है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान शिवकुमार ने आरोप लगाया, प्रतिशोध की राजनीति कुमारस्वामी के डीएनए में है। अधिकारियों ने केवल अदालत के आदेश के अनुसार काम किया है। यह मामला कार्यकर्ता एसआर हिरेमठ द्वारा दायर किया गया था। यह प्रतिशोध की राजनीति कैसे है? शिवकुमार ने मैसूरु में उनके खिलाफ कुमारस्वामी की टिप्पणी का भी जवाब दिया। उन्होंने कहा, हमने कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई। यह शिकायत हिरेमठ द्वारा दर्ज कराई गई थी। उन्होंने मेरे खिलाफ भी कई मामले दर्ज कराए हैं। सरकारी अधिकारी बस अपना काम कर रहे हैं, वे अदालत के निर्देश का पालन कर रहे हैं। इसमें कोई बदले की भावना नहीं छिपी हुई है।

मोदी ने इतना विकास किया तो यूपी वाले क्यों आते हैं दक्षिण : रेड्डी

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने देश का विकास सुनिश्चित करने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दावों पर सवाल उठाया। रेड्डी ने पूछा कि अगर देश में विकास हुआ है, तो उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में रोजगार के अवसरों की कमी क्यों है, जिसके कारण लोग रोजीरोटी के लिए दक्षिणी राज्यों की ओर पलायन करने को मजबूर हैं। नवनियुक्त सरकारी कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र सौंपने से जुड़े कार्यक्रम में रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और कर्नाटक जैसे दक्षिणी राज्यों में बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे का विकास हुआ है, जिससे कंपनियों से निवेश आकर्षित हो रहा है। उन्होंने कहा, नरेन्द्र मोदी जी कभी-कभी कहते हैं... वह देश के प्रधानमंत्री हैं और मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं। वह कहते हैं, मैंने देश का विकास किया है। मैं इससे खुश हूं। जब किसी को तीन बार प्रधानमंत्री बनने का अवसर मिलता है, तो वह कुछ न कुछ हासिल जरूर करता है। रेड्डी ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश और गुजरात सहित उत्तरी राज्यों से लोग नौकरी के लिए हैदराबाद जैसे स्थानों पर आ रहे हैं।

आंध्र सरकार ने चार सलाहकारों के नाम का किया ऐलान, पूर्व इसरो प्रमुख भी इसमें शामिल

आंध्र प्रदेश सरकार ने हथकरघा, फोरेंसिक सेवाओं, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और एयरोस्पेस रक्षा विनिर्माण में विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख क्षेत्रों में सलाहकार के रूप में चार प्रमुख व्यक्तियों को नियुक्त किया। मुख्य सचिव (सीएस) के विजयानंद द्वारा आदेश जारी किए गए। भारत बायोटेक की प्रबंध निदेशक सुचित्रा एला को हथकरघा और हस्तशिल्प के लिए सलाहकार नियुक्त किया गया। अपनी व्यावसायिक विशेषज्ञता के लिए जानी जाने वाली, उनसे इस क्षेत्र में नवाचार और आर्थिक विकास लाने की उम्मीद है। वह दो साल की अवधि या पद की आवश्यकता समाप्त होने तक, जो भी पहले हो, इस पद पर रहेंगी।

परिसीमन मुद्दे पर रेवंत रेड्डी व स्टालिन की बैठक

द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के एक प्रतिनिधिमंडल ने 13 मार्च को दिल्ली में रेवंत रेड्डी से मुलाकात की थी और उन्हें बैठक के लिए आमंत्रित किया था। इस प्रतिनिधिमंडल में द्रमुक सांसद कनिमोई, राज्य सरकार के मंत्री केएन नेहरू और पूर्व केंद्रीय मंत्री ए राजा शामिल थे।तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष बी महेश कुमार गौड़ संसदीय क्षेत्रों के परिसीमन के मुद्दे पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन द्वारा चेन्नई में बुलाई गई बैठक में शामिल हो सकते हैं।आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि रेवंत रेड्डी और गौड़ के 22 मार्च को होने वाली बैठक में हिस्सा लेने की संभावना है। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के एक प्रतिनिधिमंडल ने 13 मार्च को दिल्ली में रेवंत रेड्डी से मुलाकात की थी और उन्हें बैठक के लिए आमंत्रित किया था। इस प्रतिनिधिमंडल में द्रमुक सांसद कनिमोई, राज्य सरकार के मंत्री केएन नेहरू और पूर्व केंद्रीय मंत्री ए राजा शामिल थे। इससे पहले केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने शनिवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर लोकसभा क्षेत्रों के परिसीमन के मुद्दे पर 'गलत जानकारी फैलाने' का आरोप लगाया और दावा किया कि स्टालिन अपने कार्यकाल के दौरान उपलब्धियों की कमी को छिपाने के लिए ऐसा कर रहे हैं।

शशि थरूर पर तेज है चर्चा

कांग्रेस सांसद शशी थरूर को लेकर भी चर्चा तेज है। कोई उनके भाजपा में शामिल होने की बात कर रही है तो कोई केरल को सीएम बना रहा है। भाजपा में जाने की बात उनके द्वारा विदेश नीति पर मोदी सरकार की तारीफ को लेकर होत रही है हालांकि उन्होंने इन खबरों को खारिज कर दिसा है। उधर आईयूएमएल सांसद ई टी मोहम्मद बशीर ने कहा कि शशि थरूर फासीवादी ताकतों के खिलाफ एक बहुत मजबूत योद्धा हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता केरल में यूडीएफ के लिए एक संपत्ति हैं और इस बारे में कोई भ्रम नहीं होना चाहिए कि वह कांग्रेस के साथ मजबूती से खड़े होंगे। बशीर ने कहा कि थरूर के किसी न किसी बयान को लेकर कहानियां गढ़ी जाती हैं, लेकिन लोगों को यह नहीं सोचना चाहिए कि वह असंतुष्ट हो जाएंगे क्योंकि हमारा मानना है कि वह कांग्रेस के साथ मजबूती से खड़े होंगे और उस पार्टी में उनकी प्रमुख भूमिका होगी। यह पूछे जाने पर कि क्या थरूर केरल में

मुख्यमंत्री पद के संभावित उम्मीदवार हो सकते हैं, मलप्पुरम के सांसद ने कहा कि यह कांग्रेस को तय करना है और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) ऐसे किसी भी मामले में पक्ष नहीं है। बशीर की यह टिप्पणी थरूर द्वारा यह स्वीकार किए जाने के बाद आई है कि रूस-यूक्रेन युद्ध छिड़ने पर भारत के रुख का विरोध करने पर उन्हें मुंह की खानी पड़ी थी। थरूर ने कहा है कि सरकार द्वारा अपनाई गई नीति के कारण देश अब ऐसी स्थिति में है जहां वह स्थायी शांति के लिए बदलाव ला सकता है। रूस-यूक्रेन पर सरकार की नीति पर उनके अनुमोदन की भाजपा ने प्रशंसा की तथा भगवा पार्टी की केरल इकाई के अध्यक्ष के. सुरेन्द्रन ने कहा कि वह हमेशा से कांग्रेस सांसद की स्पष्टवादिता की प्रशंसा करते रहे हैं। ुछ सप्ताह पहले भी थरूर एक अंग्रेजी दैनिक में अपने लेख को लेकर विवाद के केंद्र में थे, जिसमें उन्होंने वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार के तहत केरल में उद्यमशीलता के विकास की प्रशंसा की थी। पिछले महीने कांग्रेस द्वारा इस टिप्पणी के आधार पर सवाल उठाए जाने और माकपा द्वारा इसका स्वागत किए जाने के बाद राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया था। थरूर ने बाद में स्पष्ट किया कि उन्होंने माकपा नीत सरकार की प्रशंसा नहीं की, बल्कि स्टार्ट-अप क्षेत्र में राज्य की प्रगति पर प्रकाश डाला। अगले साल केरल विधानसभा चुनाव में थरूर की भूमिका के बारे में पूछे जाने पर बशीर ने कहा, राज्य चुनाव में उनकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि वे (अतीत में) बहुत मददगार रहे हैं।

राष्ट्रीय एकजुटता ऐसे नहीं हासिल होगी : पवन

आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने कहा कि न तो किसी को जबरन थोपने और न ही उसका अंधाधुंध विरोध करने से राष्ट्रीय और सांस्कृतिक एकजुटता हासिल होती है। अभिनेता से नेता बने कल्याण ने कहा कि उन्होंने ''कभी हिंदी का विरोध नहीं किया'' बल्कि उन्होंने केवल ''इसे अनिवार्य बनाने का विरोध किया है।'' जनसेना पार्टी के प्रमुख ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''किसी को जबरन थोपना या फिर उसका अंधाधुंध विरोध करना, दोनों ही हमारे भारत में राष्ट्रीय और सांस्कृतिक एकजुटता के उद्देश्य को प्राप्त करने में मदद नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि चूंकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में हिंदी को अनिवार्य नहीं किया गया है, इसलिए ''इसे लागू करने के बारे में झूठी बातें फैलाना केवल जनता को गुमराह करने का एक प्रयास है। कल्याण के अनुसार, एनईपी 2020 के तहत छात्रों को एक विदेशी के साथ-साथ अपनी मातृसहित कोई भी दो भारतीय भाषाएं सीखने की सुविधा है। उन्होंने कहा, ''यदि वे हिंदी नहीं पढ़ना चाहते तो वे तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़, मराठी या भारत की कोई भी अन्य चुन सकते हैं।

पहाड़ियों के पास नहीं होनी चाहिए व्यवसायिक गतिविधि : चंद्रबाबू नायडू

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि तिरुमाला मंदिर में केवल हिंदुओं को ही काम पर रखा जाना चाहिए। अगर अन्य धर्मों के लोग वर्तमान में वहां काम कर रहे हैं, तो उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचाए बिना उन्हें अन्य स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया जाएगा। तिरुमाला की सात पहाड़ियों के पास व्यावसायिक गतिविधियों के बारे में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि इस क्षेत्र से सटे मुमताज होटल के लिए पहले अनुमति दी गई थी। हालांकि, सरकार ने अब होटल के लिए मंजूरी रद्द करने का फैसला किया है, जिसे 35.32 एकड़ जमीन पर बनाने की योजना थी। मुख्यमंत्री ने साफ तौर पर कहा कि तिरुमाला की सात पहाड़ियों के पास कोई व्यवसायिक गतिविधि नहीं होनी चाहिए। टेंडर रद्द करने का फैसला पवित्र पहाड़ियों के पास लक्जरी

रिसॉर्ट के निर्माण के बढ़ते विरोध के बाद लिया गया, क्योंकि इसकी पवित्रता को लेकर चिंताएं थीं। 12 फरवरी को साधुओं और पुजारियों ने अलीपीरी श्रीवारी पडालू, एक पूजनीय स्थल के पास होटल के निर्माण के खिलाफ भूख हड़ताल की घोषणा की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यह तिरुमाला क्षेत्र और श्री वेंकटेश्वर मंदिर की आध्यात्मिक पवित्रता का उल्लंघन करेगा। विवाद की शुरुआत 2021 में हुई थी, जब जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली आंध्र प्रदेश सरकार ने अपनी 2020-2025 पर्यटन नीति के तहत एक सरकारी आदेश (जीओ) जारी किया था। इस आदेश में बड़े पैमाने पर लग्जरी पर्यटन परियोजना का प्रस्ताव था, जिसमें डेवलपर्स को प्रोत्साहन दिया गया था। ओबेरॉय ग्रुप की सहायक कंपनी मुमताज होटल्स लिमिटेड को 250 करोड़ रुपये के शुरुआती निवेश के साथ 100 लग्जरी विला वाले रिसॉर्ट बनाने के लिए 20 एकड़ जमीन आवंटित की गई थी।

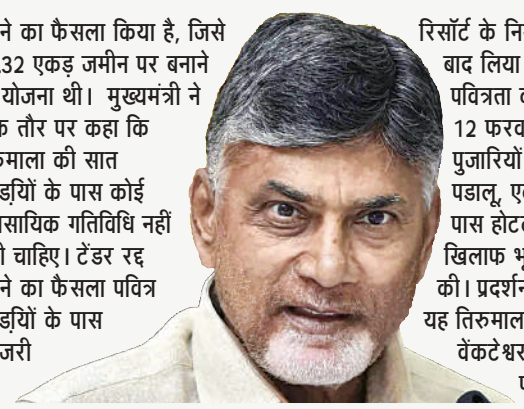

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

किशोर बच्चों में अवसाद बड़े खतरे का संकेत!

भारत समेत विश्व के कई देशों में किशोर बच्चे अवसाद से ग्रसित हो रहें है। ये समस्स एक बड़े खतरे का संकेत दे रहे हैं। आजकल की भाग-दौड़ वाली दुनिया में मानसिक समस्याएं बड़ी तेजी से लोगों को अपना शिकार बनाती जा रही हैं। इसका प्रभाव इतना तीक्ष्ण और विकराल होता है कि इससे न तो कोई देश बचा है, और न ही कोई राज्य... इसके घातक प्रभाव से अछूता आज न तो कोई गांव है, न कोई शहर और न ही कोई गली-मोहल्ल। इसका शिकार बच्चे, किशोर, बड़े, वृद्ध, स्त्री और पुरुष सभी हो रहे हैं, लेकिन आंकड़ों की बात करें तो विशेष रूप से, बच्चों और किशोरों में यह समस्या कुछ ज्यादा ही जटिल होती जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) की मेन्टल हेल्थ ऑफ चिल्ड्रन एंड यंग पीपल नामक ताजा रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में 10 से 19 वर्ष का प्राय: प्रत्येक सातवां बच्चा किसी-न-किसी प्रकार की मानसिक समस्या से जूझ रहा है। बच्चों की मासूमियत खत्म होती जा रही है। उनकी फूल-सी मुस्कराहट कहीं खोती जा रही है।

वे बेहद गुस्सैल होते जा रहे हैं। वे बात-बात पर क्रोध करने लगे हैं। उनकी बात नहीं सुनी और मानी जाए तो वे आपे से बाहर हो जाते हैं। यहां तक कि कई बार तो अपने माता-पिता और अभिभावक के ऊपर हमले करने से भी वे नहीं चूकते। जाहिर है कि ऐसे में उनके माता-पिता को यह समझ में ही नहीं आता कि जो बच्चे कुछ महीने, साल पहले तक मासूमियत से भरे बिल्कुल सामान्य व्यवहार वाले थे, हर पल खेलते-कूदते, हंसते-मुस्कराते, गाते-गुनगुनाते और आयु के अनुरूप शरारतें करते रहते थे, आखिर क्या कारण है कि अचानक उनका व्यवहार इस प्रकार बदल गया कि वे उन्हें बिल्कुल सुनना और मानना ही नहीं चाहते। इसे विडंबना नहीं तो और क्या कहा जाए कि खेलने-कूदने और खाने-पीने की आयु में देश के बच्चों और किशोरों में बैचेनी, डिप्रेशन और मानसिक तनाव जैसी समस्याएं आज गंभीर से गंभीरतम रूप लेती जा रही हैं। बच्चे एंग्जाइटी और डिप्रेशन का सामना कर रहे थे। यूनिसेफ के एक अनुमान के मुताबिक कोरोना महामारी के बाद ये आंकड़े पहले की तुलना में कई गुना अधिक बढ़े हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़े बताते हैं कि पूरी दुनिया में 30 करोड़ से भी अधिक लोग एंग्जाइटी से जूझ रहे हैं और 28 करोड़ लोग डिप्रेशन का सामना कर रहे हैं। विज्ञान आधारित दुनिया भर में प्रसिद्ध जर्नल द लैंसेट साइकिएट्री में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार ऑस्ट्रेलिया में 75 प्रतिशत टीनएजर्स एंग्जाइटी और डिप्रेशन से जूझ रहे हैं।

“ विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) की मेन्टल हेल्थ ऑफ चिल्ड्रन एंड यंग पीपल नामक ताजा रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में 10 से 19 वर्ष का प्राय: प्रत्येक सातवां बच्चा किसी-न-किसी प्रकार की मानसिक समस्या से जूझ रहा है। बच्चों की मासूमियत खत्म होती जा रही है। उनकी फूल-सी मुस्कराहट कहीं खोती जा रही है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सरकारी जवाबदेही व जनभागीदारी से संरक्षण

योगेश कुमार गोयल

पृथ्वी पर संतुलन बनाए रखने में मनुष्यों, जीव-जंतुओं और वनों का अहम योगदान है। वनों का कार्य न केवल जीव-जंतुओं का आवास और भोजन प्रदान करना है, बल्कि पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व के लिए भी वनों का होना अनिवार्य है। पृथ्वी पर जीवन के लिए आवश्यक ऑक्सीजन का मुख्य स्रोत वन हैं, जो वातावरण से कार्बन डाईऑक्साइड सोखकर उसे ऑक्सीजन में बदलते हैं। वन वर्षा, तापमान नियंत्रण, मृदा कटाव रोकने और जैव विविधता को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वनों की मजबूत जड़ें मिट्टी को बांधकर भारी बारिश में कटाव और बाढ़ का खतरा कम करती हैं। हालांकि, वनों की अंधाधुंध कटाई से जीव-जंतुओं के आवास स्थान घट गए हैं और जैव विविधता पर खतरा मंडरा रहा है। हर साल दुनिया भर में जंगलों में लगने वाली आग के कारण लाखों हेक्टेयर जंगल और जीव-जंतुओं की कई प्रजातियां नष्ट हो जाती हैं।

वर्ष 2020 में ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में लगी भीषण आग ने न केवल जैव विविधता को नुकसान पहुंचाया, बल्कि बड़ी संख्या में जंगल भी जलकर खाक हो गए। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले तीन दशकों में विश्वभर में लगभग एक अरब एकड़ वन नष्ट हो चुके हैं। कुछ दशकों पहले तक पृथ्वी का लगभग 50 प्रतिशत भू-भाग वनों से आच्छादित था, लेकिन अब यह घटकर केवल 30 प्रतिशत रह गया है। पर्यावरण विशेषज्ञों के अनुसार, वनों की घटती संख्या का सीधा प्रभाव पृथ्वी पर मौजूद जैव विविधता पर पड़ेगा। वृक्षों और वनों का क्षेत्रफल घटने से जीव-जंतुओं के आवास पर संकट आ जाएगा और अनियमित मौसम के रूप में मानव जाति पर भी इसके गंभीर दुष्प्रभाव सामने आएंगे। वनों की अंधाधुंध कटाई के कारण ग्लोबल वार्मिंग और प्राकृतिक आपदाओं की तीव्रता बढ़ रही है। यदि भविष्य में वनों की संख्या नहीं बढ़ाई जाती, तो बढ़ती मानव आबादी के कारण पृथ्वी पर ऑक्सीजन, उपजाऊ मिट्टी और स्वच्छ जल की भारी कमी हो सकती है।

वन पृथ्वी के फेफड़ों का कार्य करते हैं, जो वातावरण से सल्फर डाईऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, अमोनिया, ओजोन इत्यादि प्रदूषक गैसों को अपने अंदर समाहित कर वातावरण में प्राणवायु छोड़ते हैं। यही कारण है कि वैश्विक स्तर पर वनों के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाने, इनके संरक्षण में समाज का योगदान प्राप्त करने और पौधारोपण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 21 मार्च को 'अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस' मनाया जाता है। वर्ष 2025 का विषय 'वन और खाद्य पदार्थ' है, जिसमें वनों की खाद्य सुरक्षा, पोषण और आजीविका में महत्वपूर्ण भूमिका को बढ़ाया जाएगा। वन केवल भोजन, ईंधन, आय और रोजगार प्रदान नहीं करते, वे मिट्टी की उर्वरता को भी बनाए रखते हैं, जल संसाधनों की रक्षा करते हैं, और जैव विविधता के लिए महत्वपूर्ण आवास भी प्रदान करते हैं, जिसमें परागणकों का भी योगदान है। इसके अलावा, वन वन-निर्भर समुदायों, विशेष रूप से स्वदेशी लोगों के जीवन के लिए आवश्यक हैं और वे जलवायु परिवर्तन के शमन में भी मदद करते हैं, क्योंकि वे कार्बन को संगृहीत करते हैं। पृथ्वी का वह क्षेत्र, जहां वृक्षों का घनत्व अधिक होता है, वन कहलाता है। वनों के विभिन्न प्रकार होते हैं, जैसे सदाबहार वन, मैंग्रोव वन, शंकुधारी वन, उष्णकटिबंधीय वन, शीतोष्ण वन, पर्णपाती वन, बोरील वन और कांटेदार वन, जो विभिन्न जलवायु और पर्यावरणीय परिस्थितियों के अनुसार विभाजित होते हैं।

भारत में प्रमुख वन प्रकारों में सदाबहार वन, मैंग्रोव वन, शंकुधारी वन, पर्णपाती वन और शीतोष्ण कटिबंधीय वन शामिल हैं। सदाबहार वनों को वर्षा वन भी कहा जाता है, जो उच्च वर्षा क्षेत्रों जैसे पश्चिमी घाट, अंडमान-निकोबार और पूर्वोत्तर भारत में पाए जाते हैं। इन वनों में वृक्ष एक-दूसरे से मिलकर सूर्य के प्रकाश को जमीन तक नहीं पहुंचने देते। मैंग्रोव वनों का विकास डेल्टा क्षेत्रों और नदियों के किनारे लवणयुक्त जल में होता है। पर्णपाती वन मध्यम वर्षा वाले क्षेत्रों में होते हैं, जहां वर्षा केवल कुछ महीनों के लिए होती है। मानसून के दौरान तेज बारिश और सूर्य के प्रकाश के कारण इन वनों में तेजी से वृद्धि होती है, और गर्मी व सर्दी के मौसम में वृक्षों की पत्तियां झड़ जाती हैं।

नए पत्ते चैत्र माह में उगते हैं। कांटेदार वन जैसे खजूर, कैक्टस और नागफनी कम नमी वाले क्षेत्रों में पाए जाते हैं, जहां इनकी जड़ें गहरे तक समाई होती हैं और ये जल संरक्षण में मदद करते हैं। उष्णकटिबंधीय वन भूमध्य रेखा के पास होते हैं, जबकि शीतोष्ण वन मध्यम ऊंचाई वाले स्थानों पर और बोरील वन ध्रुवीय क्षेत्रों के निकट पाए जाते हैं। इस संकट को देखते हुए, वर्ष 2021 के ग्लासगो जलवायु सम्मेलन में 100 से अधिक देशों ने वर्ष 2030 तक वनों की अंधाधुंध कटाई पर पूरी तरह पाबंदी लगाने का संकल्प लिया था।

सामाजिक सुरक्षा ही सुनिश्चित करेगी खुशी

पुष्परंजन

गुरुवार को प्रकाशित 'वर्ल्ड हैपीनेस रिपोर्ट 2025' के अनुसार, फिनलैंड को लगातार आठवें साल दुनिया का सबसे खुशहाल देश घोषित किया गया है। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में वेलबीइंग रिसर्च सेंटर द्वारा प्रकाशित वार्षिक रिपोर्ट में अन्य नॉर्डिक देश एक बार फिर खुशहाली रैंकिंग में शीर्ष पर हैं। फिनलैंड के अलावा, डेनमार्क, आइसलैंड और स्वीडन शीर्ष चार में क्रमश: बने हुए हैं। आप क्या केवल धन से खुश हैं? यह बात विश्व खुशहाली रिपोर्ट का हिस्सा नहीं होती। पूरी जीवनशैली का आकलन इनकी रेटिंग का आधार होता है। किसी देश की रैंकिंग लोगों द्वारा जीवनशैली के लिए पूछे जाने पर दिए गए उत्तरों पर आधारित थी। यह अध्ययन एनालिटिक्स फर्म 'गैलप' और 'संयुक्त राष्ट्र सतत विकास समाधान नेटवर्क' के साथ साझेदारी में किया गया था।

गैलप के सीईओ जॉन क्लिफ्टन ने कहा, 'खुशी केवल धन या विकास के बारे में नहीं है- यह विश्वास, आपसी संबंध और यह जानने के बारे में है, कि लोग आपका साथ दे रहे हैं। अगर हम मजबूत समुदाय और अर्थव्यवस्था चाहते हैं, जो वास्तव में सरकार और समाज को जोड़ती है, तो हर साल होने वाला आकलन उस देश विशेष के काम आता है।' दिलचस्प है, कि सारी दुनिया को ज्ञान देने वाला अमेरिका इस रेटिंग में 24वें स्थान पर आ गया है, जो 2012 में पहली बार रिपोर्ट प्रकाशित होने के बाद से उसका सबसे कम स्कोर है। शोधकर्ताओं का कहना है, कि स्वास्थ्य और धन के अलावा, खुशी को प्रभावित करने वाले कुछ कारक भ्रामक रूप से सरल लगते हैं, दूसरों के साथ भोजन साझा करना, सामाजिक समर्थन के लिए किसी पर भरोसा करना और घर का आकार हमारे पैरामीटर्स थे। उदाहरण के लिए, मेक्सिको और यूरोप में, चार से पांच लोगों का घर खुशी के उच्चतम स्तर को दर्शाता है। नवीनतम निष्कर्षों के अनुसार, दूसरों की दयानतदारी पर विश्वास करना भी इस शोध का एक पहलू रहा है।

अध्ययन में पाया गया, कि नॉर्डिक राष्ट्र खोए हुए बटुए की अपेक्षित वापसी के मामले में शीर्ष स्थानों में शुमार हैं। खोया हुआ बटुआ से आशय वैसा धन, जिस पर उसके नागरिकों का हक है, या फिर वो पैसे भी, जो किसी ने मार लिये हों। नॉर्डिक देशों में बटुए की वापसी की वास्तविक दरें, लोगों की अपेक्षा से लगभग दोगुनी हैं। खुशियों की रैंकिंग में शीर्ष 20 में यूरोपीय देशों का दबदबा है, लेकिन कुछ अपवाद भी हैं। हमास के साथ युद्ध के बावजूद, इस्राइल 8वें स्थान पर आया। कोस्टा रिका 6वें, और मैक्सिको पहली बार शीर्ष 10 में शामिल हुए। कभी खुशी-कभी ग़म से संयुक्त राज्य अमेरिका मुक्त नहीं है। अब वह 24वें स्थान पर पहुंच गया है, इससे पहले 2012 में अमेरिका 11वें स्थान पर था। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले दो दशकों में संयुक्त राज्य अमेरिका में अकेले भोजन करने वाले लोगों की संख्या में 53 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। चीन 68वें स्थान पर आया, जो पिछली रिपोर्ट में 60वें स्थान से नीचे है। ब्रिटेन 23वें स्थान पर है, जहां सरकार और समाज को हम सहिष्णु समझते हैं।

अफगानिस्तान को फिर से दुनिया का सबसे नाखुश देश माना गया है। अफगान महिलाओं का कहना है, कि उनका जीवन बद से बदतर होता गया है। पश्चिमी अफ्रीका में सिएरा लियोन दूसरे सबसे दुखी देश है। उसके बाद लेबनान है, जो नीचे से तीसरे स्थान पर है। सभी देशों को 2022 से 2024 के दौरान उनके स्व-मूल्यांकन किए गए जीवन के अनुसार रैंक किया गया है। इसमें खुशहाली को मापने के लिए छह प्रमुख कारकों का उपयोग किया जाता है- सामाजिक सहयोग, आय, स्वास्थ्य, स्वतंत्रता, उदारता और भ्रष्टाचार की स्थिति। सवाल यह है, कि इस पूरे पैरा मीटर में भारत कहां खड़ा है? 2012 से दुनिया के देशों में खुशहाली की रेटिंग शुरू हुई, इसलिए मोदी शासनकाल का आकलन अहम हो जाता है। मोदी शासन के पिछले 10 वर्षों में, भारत विश्व प्रसन्नता सूचकांक में 2014 में 111वें स्थान से 2024 में 126वें स्थान पर 15 पायदान नीचे गिर गया था। भारत लीबिया, इराक, फिलिस्तीन और नाइजर जैसे देशों से भी पीछे है। भारत ने अपने खुशहाली गुणांक में मामूली सुधार किया है, जो 2024 में 126वें स्थान से बढ़कर इस साल 118वें स्थान पर पहुंच गया है। हैरानी की बात यह है, कि भारत यूक्रेन, मोजाम्बिक, ईरान, इराक, पाकिस्तान, फिलिस्तीन, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, युगांडा, गाम्बिया और वेनेजुएला जैसे संघर्ष प्रभावित देशों से भी अधिक तकलीफदेह स्थिति में है।

सवाल यह है, कि क्या भारत में बूढ़े होते जा रहे लोग खुशहाल हैं? रिपोर्ट में कहा गया है, कि भारत की वृद्ध आबादी दुनियाभर में दूसरी सबसे बड़ी है, जिसमें 140 मिलियन भारतीय 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के हैं। भारतीय बुजुर्ग, 250 मिलियन चीनी समकक्षों के बाद दूसरे स्थान पर हैं। अध्ययन के निष्कर्ष बताते हैं कि वृद्धों, पुरुषों, विधवाओं और विशेष रूप से औपचारिक शिक्षा से वंचित लोगों के लिए आरामदायक जीवन व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा भेदभाव को कम करने के लिए सामाजिक नेटवर्क को मजबूत करके वृद्धावस्था में खुशहाली को बढ़ाया जा सकता है। भारत की वृद्ध होती आबादी जटिल स्थिति से गुज़र रही है, जिनमें आर्थिक असुरक्षा, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं और सामाजिक सहायता की आवश्यकताएं शामिल हैं। करीब 30 प्रतिशत बुजुर्ग महिलाएं और 28 फीसद बुजुर्ग पुरुष कम से कम एक दीर्घकालिक रुग्णता जैसे उच्च रक्तचाप, मधुमेह, गठिया आदि से पीड़ित हैं, जिसके कारण उनकी रूटीन गतिविधियां प्रभावित होती दिखती हैं।

बरेली के पास हैं ये तीन प्रमुख पर्यटन स्थल

उत्तर प्रदेश न केवल बड़े राज्य के कारण बल्कि अपने धार्मिक स्थलों को लेकर काफी लोकप्रिय है। उत्तर प्रदेश भारतीय सभ्यता, संस्कृति और ऐतिहासिक महत्व के लिए जाना जाता है। यहां पर काशी, अयोध्या, मथुरा जैसे कई स्थान हैं, जो धार्मिकता के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। भगवान राम की इस पावन धरती पर आपने एक और जगह के बारे में सुना होगा जिसका नाम बरेली है। बरेली उत्तर प्रदेश का एक बड़ा ही ऐतिहासिक शहर है। रामगंगा नदी के तट पर बसा ये शहर कभी रोहिलखंड की राजधानी हुआ करता था। बरेली में घूमने के लिए वैसे तो कई सारी जगहें हैं, लेकिन गर्मियों में अक्सर लोग बरेली के पास के इन हिल स्टेशनों का रुख कर सकते हैं, जो न केवल अपनी ऊंची-ऊंची घाटियों और हरियाली के लिए जाने जाते हैं, बल्कि शोर-शराबे से दूर कुछ दिन शांति से गुजारने के लिए भी ये हिल स्टेशन परफेक्ट माने जाते हैं। इस जगह के ऊपर एक प्रसिद्ध गाना 'झुमका गिरा रे बरेली के बाजार में बना है जिसे शायद आपने सुना होगा। यह जगह बहुत ही फेमस है। यहां एक से बढ़कर एक घूमने की जगहें हैं, जिनके बारे में कम ही लोग जानते होंगे। अगर आप छुट्टी प्लान कर रहे हैं तो इन जगहों पर घूमने जा सकते हैं।

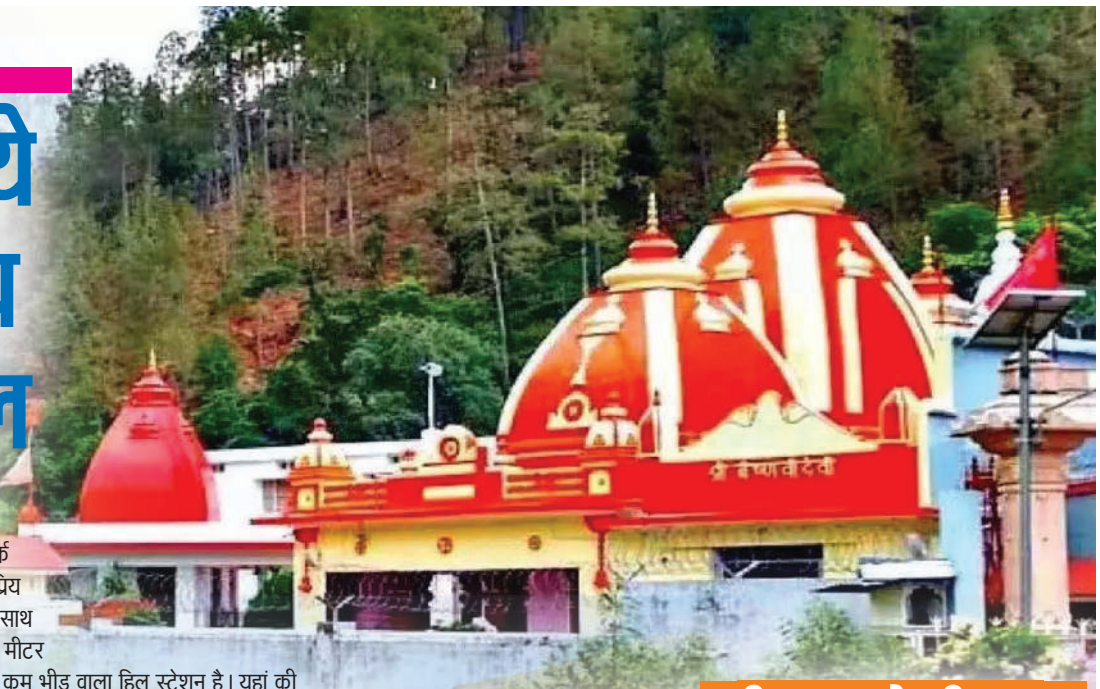

भीमताल

भीमताल, बरेली से सिर्फ 120 किमी दूर है। यह नैनीताल के पास स्थित है और लोकप्रिय पर्यटन स्थल हैं। यहां आप बोटिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। साथ ही सनसेट और सनराइज का भी आनंद ले सकते हैं। 1370 मीटर की ऊंचाई पर स्थित, भीमताल 23 किमी दूर नैनीताल का कम भीड़ वाला हिल स्टेशन है। यहां की खूबसूरत भीमताल झील में आप पैडल बोटिंग और प्रकृति को निहारते हुए घूम सकते हैं। ओक, देवदार और झाड़ियों के घने जंगल से घिरा ये हिल स्टेशन प्राचीन मंदिरों के लिए भी जाना जाता है। 17वीं सदी का भीमेश्वर मंदिर पहाड़ी शहर की देखने लायक जगहों में आता है। नंदा देवी मंदिर, ब्राइट एंड कॉर्नर, कसार देवी मंदिर, देवी मंदिर, चितई गोलू देवता मंदिर यहां की देखने लायक जगहों में आते हैं। बरेली से भीमताल की दूरी 127.8 किमी है, जहां आप 3 घंटे 15 मिनट में ड्राइव करके पहुंच सकते हैं।

नीम करोली धाम

नीम करोली धाम, बरेली से लगभग 159 किमी दूर स्थित है। यहां पर आसपास के शहरों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। यहां जाने के लिए आप बरेली से बस, ट्रेन, टैक्सी ले सकते हैं। यह जगह अध्यात्म और शांति के लिए पॉपुलर है। कैंची धाम में नीम करोली बाबा के आश्रम में घूमने के अलावा निवासी भिक्षुओं द्वारा आयोजित सत्संग में भाग ले सकते हैं। आश्रम में पुस्तकालय है, जहां आगंतुक आध्यात्मिकता और दर्शन पर किताबें पढ़ सकते हैं। आसपास की प्राकृतिक सुंदरता को एक्सप्लोर कर सकते हैं। जंगल की सैर, पहाड़ियों में ट्रैकिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। पास में ही नैनीताल घूमने जा सकते हैं।

जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क

जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क भारत के उत्तराखंड राज्य में स्थित एक प्रसिद्ध वन्यजीव अभयारण्य है। यहां आप जंगल सफारी का भी लुत्फ उठा सकते हैं। जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क अपने विविध वनस्पतियों और जीवों के लिए जाना जाता है, जिसमें बंगाल टाइगर, हाथी, तेंदुए और हिरणों की विभिन्न प्रजातियां शामिल हैं। यह पार्क न केवल वन्यजीव उत्साही लोगों के लिए एक आश्रय स्थल है, बल्कि घने जंगलों, नदियों और पहाड़ियों के साथ एक मनोरम परिदृश्य भी प्रदान करता है, जो इसे प्रकृति प्रेमियों और रोमांच चाहने वालों के लिए एक लोकप्रिय गंतव्य बनाता है। यह वन्यजीव सफारी, पक्षी देखने और प्रकृति की सैर के अवसर प्रदान करता है, जिससे आगंतुकों को जंगल की सुंदरता का अनुभव करने का मौका मिलता है।

हंसना मना है

मछली जल की रानी है-इसका अब नया वर्जन है. पत्नी घर की रानी है, करती अपनी मनमानी है, काम बताओ तो वह चिढ़ जाएगी, शॉपिंग कराओ तो खिल जाएगी।

1 युग था जब लोग अपने घर के दरवाजे पे, लिखते थे- अतिथी देवो भव:, फिर लिखा - शुभ लाभ, फिर लिखा- यू आर वेलकम और अब - कुत्तों से सावधान!

अगर बीवी अपनी साड़ी का पल्लू अपनी कमर में दूस ले तो समझ जाओ की, या तो वो घर का काम निपटाएगी, या फिर आपको!

प्रेमिका- तुमको पता है कल मेरा बर्थडे है? मुझे क्या गिफ्ट दोगे? प्रेमी- जो तुम चाहो प्रेमिका- रिंग? प्रेमी- ठीक है रिंग दूंगा पर उठाना मत, बैलेंस बहुत कम है।

दो पंडितों में लड़ाई हो रही थी, उन्हें लड़ते बहुत देर हो गयी, तीसरा पंडित- क्या हुआ, क्यों लड़ाई कर रहे हो? एक पंडित बोला, जब मैं लहसुन, प्याज नहीं खाता, तो इसने चिकन में डाला ही क्यों?

वेटर-मैम, आप कुछ लेंगी? लड़की- भैया एक सब्जी वाली रोटी लाना.. वेटर- क्या? लड़का- गांव से आयी है, पिज्जा वाली रोटी मांग रही है।

कहानी | राजा और मूर्ख बंदर

बहुत पुरानी बात है, एक राजा के पास पालतु बंदर था। राजा उस बंदर पर बहुत विश्वास करता था, क्योंकि वह बंदर राजा का भक्त था। बंदर राजा की पूरे मन से सेवा करता था, लेकिन बंदर बिल्कुल मूर्ख था। उसे कोई भी काम ठीक से समझ नहीं आता था। राजा जब भी विश्राम करता बंदर उसकी सेवा के लिए हाजिर हो जाता था। उसके लिए हाथ पंखा चलाता था। एक दिन की बात है, जब राजा सो रहा था और बंदर उसके लिए पंखा झल रहा था, तभी एक मक्खी भिन भिनाते हुए राज के ऊपर आकर बैठ जाती है। बंदर उस मक्खी को पंखे से बार-बार भागने की कोशिश करता है, लेकिन मक्खी उड़कर कभी राजा की छाती पर, कभी सिर पर, तो कभी जांघ पर जाकर बैठ जाती थी। मूर्ख बंदर काफी समय तक ऐसे ही मक्खी को भागने की कोशिश करता रहा, लेकिन मक्खी वहां से जाने का नाम ही नहीं ले रही थी। यह देखकर बंदर को क्रोध आ जाता है और वह पंखा छोड़कर तलवार निकाल लेता है। जब मक्खी राजा के माथे पर बैठती है, तो बंदर तलवार लेकर राजा की छाती पर चढ़ जाता है। यह देख कर राजा काफी डर जाता है। फिर मक्खी माथे से उड़ जाती है, तो बंदर उसे मारने के लिए हवा में तलवार चलता है। इसके बाद मक्खी राजा के सिर पर जाकर बैठ जाती है, तो बंदर के तलवार से राजा के बाल कट जाते है और जब मूंछ पर बैठती है, तो मूंछ कट जाती है। यह देख राजा कमरे से जान बचाकर भागता है और बंदर तलवार लेकर उसके पीछे भागता है। इससे पूरे महल में उथल-पुथल मच जाती है।

कहानी से सीख- इस कहानी से यह सीख मिलती है कि किसी मूर्ख को ऐसा काम न सौंपे, जो बाद में आपके लिए ही खतरा उत्पन्न कर दें।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। अज्ञात भय सताएगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। कुसंगति से बचें।

वृषभ शत्रु भय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी।

मिथुन किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में बुद्धिबल से उन्नति होगी।

कर्क लेन-देन में जल्दबाजी न करें। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार की प्राप्ति संभव है। किसी के उकसाने में न आएं। बात बिगड़ सकती है। थकान हो सकती है।

सिंह पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। आय में वृद्धि होगी। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या आय में वृद्धि होगी। कारोबार लाभप्रद रहेगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय बढ़ेगा।

तुला प्रेम-प्रसंग में आशातीत सफलता प्राप्त होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। कारोबार का विस्तार होगा।

वृश्चिक राजभय रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। लेन-देन में जल्दबाजी हानि देगी। शारीरिक कष्ट संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था में मुश्किल होगी।

धनु व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। मानसिक बेचैनी रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मकर राज्य से प्रसन्नता रहेगी। कोई बड़ा काम हो सकता है। नई योजना बनेगी। नया उपक्रम प्रारंभ हो सकता है। सामाजिक कार्य करने का अवसर मिलेगा।

कुम्भ आंखों को चोट व रोग से बचाएं। धन प्राप्ति सुगम होगी। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा।

मीन पुराना रोग उभर सकता है। अनहोनी की आशंका रहेगी। मातहतों से कहासुनी हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

बॉलीवुड | मन की बात

पाखंडी और भ्रष्ट है नेटफ्लिक्स इंडिया : अनुराग कश्यप

अनुराग कश्यप ने अपने करियर में कई शानदार फिल्में बनाई हैं। अनुराग अपने बेबाक और बिंदास अंदाज के लिए भी चर्चा में रहते हैं। अब अनुराग कश्यप ने ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स इंडिया को जमकर लताड़ लगाई है। उन्होंने नेटफ्लिक्स को बेईमान और भ्रष्ट बताते हुए उसे पाखंडी भी कहा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसे लेकर एक लंबी चौड़ी पोस्ट लिखी है। अनुराग ने इंस्टाग्राम पोस्ट में पहले नेटफ्लिक्स की सीरीज एडोलसेंस की जमकर तारीफ की है। ये सीरीज हाल ही में रिलीज हुई। अनुराग ने पोस्ट में लिखा, अभी-अभी एडोलसेंस देखी। मैं स्तब्ध और ईर्ष्यालु हूं कि कोई ऐसा शो बना सकता है। बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट ओवेन कूपर और स्टीफन ग्राहम की एक्टिंग, जो न केवल पिता की भूमिका में हैं, बल्कि शो के को-प्रोड्यूसर भी हैं। शो में कितनी मेहनत की गई है। मैं सोच भी नहीं सकता कि उन्होंने कितनी रिहर्सल और तैयारी की होगी, ताकि वे हर एपिसोड को एक ही शॉट में शूट कर पाए। अनुराग आगे लिखते हैं, सिनेमैटोग्राफर मैथ्यू लुईस और फिल्म निर्माता फिलिप बैरेंटिनिनी कितने टैलेंटेड हैं। यह किसी भी फिल्म या मैंने जो कुछ भी देखा है, उससे बेहतर है। इसमें समय लगता है, एक भी बारीकियों को न छोड़ना साहस की बात है। को-प्रोड्यूसर जैक थॉर्न, आप सभी लोगों और आपकी टीम को बधाई। एक बेहतरीन टीम और इसे पूरा करने के दृढ़ संकल्प के बिना इसे पूरा करना निश्चित रूप से संभव नहीं है। अनुराग ने अपनी इसी पोस्ट के कमेंट सेक्शन में लिखा, अब मेरी ईर्ष्या और जलन की बात करें। टेड सारंडोस (नेटफ्लिक्स के सीईओ) ने हाल ही में एक पोस्ट में कहा, हर बार एक ऐसा शो आता है जो बिल्कुल नए क्षेत्रों में जाता है। रचनात्मकता की सीमाओं को चैलेंज करता है और करियर को परिभाषित करने वाले प्रदर्शन करता है। और मुझे उम्मीद है कि उनका मतलब यही है, क्योंकि नेटफ्लिक्स इन (नेटफ्लिक्स इंडिया) पर उनका शो बिल्कुल विपरीत है। अगर उन्हें यह ऑफर किया जाता, तो शायद वे इसे रिजेक्ट कर देते या इसे 90 मिनट की फिल्म में तब्दील कर देते।

कियारा आडवाणी बनीं सबसे ज्यादा फीस लेने वाली एक्ट्रेस

कियारा आडवाणी बॉलीवुड की टैलेंटेड एक्ट्रेस की लिस्ट में शामिल हैं। उन्होंने अपने अब तक के करियर में कई हिट फिल्में दी हैं और इंडस्ट्री में अपने लिए खास जगह बना ली है। फिलहाल एक्ट्रेस अपने काम और अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर सुर्खियों में हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने पति और अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ इंस्टाग्राम पर अपनी प्रेग्नेंसी की खबर अनाउंस की थी। इन सबके बीच एक्ट्रेस सबसे ज्यादा फीस वसूलने वाली अभिनेत्री भी बन गई हैं।

बता दें कि कियारा आडवाणी 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' के साथ कन्नड़ में डेब्यू करने जा रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक्ट्रेस ने इस फिल्म के लिए तगड़ी फीस वसूली है। रिपोर्ट्स की मानें तो कियारा आडवाणी यश स्टारर 'टॉक्सिक' के लिए 15 करोड़ रुपये चार्ज कर रही हैं। इससे वह देश की सबसे ज्यादा फीस लेने वाली अभिनेत्रियों की लिस्ट में शामिल हो गई हैं।

इस कथित फीस के साथ, कियारा आडवाणी अब प्रियंका चोपड़ा और दीपिका पादुकोण के एलीट क्लब में शामिल हो गई हैं। बता दें कि प्रियंका के एस. एस. राजामौली और महेश बाबू के साथ अपनी अपकमिंग फिल्म के लिए 30 करोड़ रुपये चार्ज करने की उम्मीद है। वहीं दीपिका पादुकोण को कथित तौर पर कल्कि 2898 ई. के लिए 20 करोड़ रुपये बतौर फीस मिले थे।

कियारा की कई फिल्में आने वाली हैं। वह ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के साथ वॉर 2 में भी नजर आएंगी। प्रोडक्शन हाउस यशराज फिल्म्स ने हाल ही में घोषणा की है कि यह फिल्म 14 अगस्त 2025 को दुनिया भर में रिलीज होगी। फरहान अख्तर द्वारा निर्देशित डॉन 3 में भी कियारा के रणवीर सिंह के साथ लीड रोल करने की बात कही जा रही थी। हालांकि अब, ऐसी रिपोर्ट्स हैं कि वह अपनी प्रेग्नेंसी के कारण इस प्रोजेक्ट से हट गई हैं। निर्माताओं ने अभी तक फिल्म की शूटिंग शुरू नहीं की है।

टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स का निर्माण वेंकट के. नारायण और यश ने केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के तहत जॉइंटली किया गया है। इस फिल्म का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है और यह 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

मिसवर्ल्ड 2025 के लिए भारत का प्रतिभाग करेंगी नंदिनी गुप्ता

मिस वर्ल्ड 2025 का आयोजन इस साल तेलंगाना में होने जा रहा है। इस ग्लोबल ब्यूटी पेजेंट में 120 देशों की सुंदरियां शामिल होने वाली हैं। इन 120 हसीनाओं में से एक हैं भारत की नंदिनी गुप्ता। कोटा-राजस्थान की नंदिनी गुप्ता 72वें मिस वर्ल्ड ब्यूटी पेजेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए नजर आएंगी।

7 मई से 31 मई तक चलने वाले इस मुकाबले के फिनाले राउंड में मिस वर्ल्ड 2024 क्रिस्टीना पिस्जकोवा इस साल की विनर को ताज पहनाएंगी। लगातार दूसरी बार अपने देश में होने वाले 'मिस वर्ल्ड 2025' में इस साल इंडिया की नंदिनी क्या कमाल दिखाती हैं? ये देखने के लिए हर कोई उत्सुक है। कोटा के कैथून स्थित नंदिनी गुप्ता ने अपनी स्कूल की पढ़ाई सेंट पॉल सीनियर सेकेंडरी स्कूल से की है। मुंबई के लाला लाजपत राय कॉलेज से नंदिनी ने अपनी ग्रेजुएशन पूरी की। उन्होंने बिजनेस मैनेजमेंट की पढ़ाई की है। अपने स्कूल से लेकर कॉलेज तक कई प्रतियोगिता और इवेंट्स का हिस्सा रहीं नंदिनी एक सफल मॉडल भी हैं। पिछले 2 सालों से वो 'मिस वर्ल्ड 2025' के लिए खुद को तैयार कर रही हैं। दरअसल 71वां 'मिस वर्ल्ड' दुबई में होने वाला था, लेकिन फिर तय किया गया कि इसका आयोजन इंडिया में होगा। लेकिन दिल्ली में हो रहे चुनाव के कारण दिसंबर 2023 में होने वाली ये प्रतियोगिता मार्च 2024 को शुरू हुई, इस प्रतियोगिता में भारत की तरफ से सिनी शेट्टी शामिल हुई थीं। बीच में अचानक आए ब्रेक जी वजह से नंदिनी को इस प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा।

बॉलीवुड | मसाला

अजब-गजब | यहां तलाकशुदा होना माना जाता है अपमानजनक

इस देश में तलाक लेने पर पूरी तरह है प्रतिबंध

कई बार पति-पत्नी में मनमुटाव इतना बढ़ जाता है कि वो दोनों एक-दूसरे से अलग होने का फैसला ले लेते हैं। इसके लिए कानूनी प्रक्रिया तलाक का सहारा लिया जाता है। दुनिया के हर देश के कानून में इसके लिए कुछ नियम बनाए गए हैं। लेकिन आपको ये जानकर यकीन नहीं होगा कि एक देश ऐसा भी है जहां पति-पत्नी एक दूसरे से अलग यानी तलाक नहीं ले सकते। इस देश का नाम है फिलीपींस। दरअसल, फिलीपींस में तलाक लेने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा हुआ है। हालांकि ये नियम सिर्फ ईसाई धर्म के मानने वालों पर ही लागू है, लेकिन मुस्लिम समुदाय के लोग अपने सरिया कानून के मुताबिक तलाक ले सकते हैं।

बता दें कि फिलीपींस ही दुनिया का इकलौता देश है जहां पति-पत्नी तलाक नहीं ले सकते। दरअसल, फिलीपींस कैथोलिक देशों के एक समूह का हिस्सा है। कैथोलिक चर्च के प्रभाव की वजह से ही इस देश में तलाक का कोई प्रावधान नहीं है। साल 2015 में जब पोप फ्रांसिस फिलीपींस गए थे, तो वहां के धर्मगुरुओं से अपील की थी कि तलाक चाहने वाले कैथोलिक लोगों के प्रति सहानुभूति नजरिया रखना चाहिए। लेकिन फिलीपींस में तलाकशुदा कैथोलिक होना अपमानजनक माना जाता है।

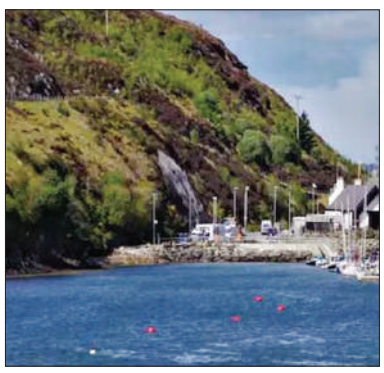

फिलीपींस के ईसाई धर्मगुरुओं ने पोप फ्रांसिस की बात को एकदम अनसुना कर दिया। दरअसल, उन्हें अब इस बात का गर्व है कि अब दुनिया में एकमात्र फिलीपींस ऐसा देश है, जहां पर तलाक नहीं लिया जा सकता है। फिलीपींस में तलाक को वैध बनाने वाला बिल पहले से है, लेकिन राष्ट्रपति बेनिनो एक्विनो के समर्थन के बिना कानून बनाना मुश्किल है। बता दें कि अब से करीब चार सदी तक फिलीपींस पर स्पेन का शासन रहा। इस दौरान वहां की अधिकांश जनता ने ईसाई धर्म स्वीकार कर लिया था। उसके बाद समाज में कैथोलिक रूढ़िवादी नियमों ने अपनी जड़ें जमा ली थीं। लेकिन साल 1898 में स्पेन और अमेरिका के बीच युद्ध हो गया उसके बाद फिलीपींस पर अमेरिका का शासन हो गया।

उसके बाद तलाक के लिए एक कानून बनाया गया। साल 1917 में कानून के मुताबिक लोगों को तलाक की अनुमति तो दी गई, लेकिन एक शर्त रखी गई जो यह थी कि अगर पति-पत्नी में से कोई एडल्टरी करते पाया जाएगा, तो तलाक लिया जा सकता है। द्वितीय विश्वयुद्ध के समय जब फिलीपींस पर जापान ने कब्जा किया, तो उस समय भी तलाक के लिए एक नया कानून लाया गया। लेकिन ये नया कानून कुछ साल तक ही चला और साल 1944 में अमेरिका ने एक बार फिर से फिलीपींस पर कब्जा कर लिया।

उसके बाद इस देश में पुराना तलाक कानून ही लागू कर दिया गया। साल 1950 में जब फिलीपींस अमेरिका के कब्जे से आजाद हुआ, तो इसके बाद चर्च के प्रभाव में तलाक का कानून वापस ले लिया गया। उसी समय से तलाक पर जो प्रतिबंध लगा, वो आजतक जारी है। बता दें कि फिलीपींस में तलाक नहीं लेने का प्रतिबंध सिर्फ ईसाइयों पर है। यहां की 6 से 7 फीसदी मुस्लिम आबादी अपने पर्सनल लॉ के मुताबिक तलाक ले सकती है।

अजूबा एयरपोर्ट: पेड़ के नीचे बैठकर पीते हैं नारियल पानी, फिर पकड़ते हैं प्लेन

दुनिया में यूं तो कई एयरपोर्ट हैं, पर इनका डिजाइन आमतौर पर एक जैसा ही होता है। हालांकि, एक एयरपोर्ट ऐसा भी है, जहां जाकर आपको लगेगा ही नहीं कि आप किसी एयरपोर्ट में बैठे हैं। वो इसलिए क्योंकि इस एयरपोर्ट में लोग पेड़ के नीचे बैठकर आराम करते हैं और मजे से नारियल पानी पीते हैं। हम बात कर रहे हैं थाइलैंड के एक एयरपोर्ट की, जहां का अनुभव लोगों को बार-बार यहां आने पर मजबूर कर देता है। डेली स्टार न्यूज वेबसाइट के अनुसार इस एयरपोर्ट का नाम सामुई एयरपोर्ट है। ये एयरपोर्ट कोह सामुई आइलैंड पर मौजूद है। इस एयरपोर्ट में काफी आउटडोर एरिया है। यानी बाहर बैठने का लोगों को काफी मौका मिलता है। यहां पर हरी-भरी घास पर लोग बीन बैग लगाकर बैठ सकते हैं, या फिर झूलों पर बैठकर मजे ले सकते हैं। एयरपोर्ट के चारों ओर प्रकृति के ऐसे सुंदर नजारे हैं कि लोगों का ध्यान ही उनसे नहीं हटेगा। सामुई एयरपोर्ट एक प्राइवेट एयरपोर्ट है जिसका संचालन बैंकॉक एयरवेज़ द्वारा किया जाता है। फरवरी 2008 में थाई एयरवेज इंटरनेशनल ने इस एयरपोर्ट तक अपनी फ्लाइटों की शुरुआत की थी। इसका निर्माण 1982 में शुरू हुआ था और अप्रैल 1989 में ये आधिकारिक तौर पर खुला था। मिरर की रिपोर्ट के अनुसार जेसिका जेयन नाम की एक ब्रिटिश टूरिस्ट पिछले महीने इस एयरपोर्ट पर गई थीं, उनका अनुभव भी कमाल का रहा। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टिकटॉक पर वीडियो भी पोस्ट किया और इसकी खूबसूरती को दिखाया। यहां पर कई खास कैफे हैं और यात्री बड़े आराम से नारियल पानी पीते हुए प्लेनों को टेकऑफ करते हुए देख सकते हैं।

कांग्रेस विधायकों को विकास के लिए नहीं मिल रहा बजट : पटवारी

सरकार पर पक्षपातपूर्ण संकीर्ण राजनीति करने का लगाया आरोप

» मप्र पीसीसी अध्यक्ष ने सीएम को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस विधायकों को विकास कार्यों के लिया पैसा नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार कांग्रेस विधायकों के साथ पक्षपात कर रही है। बीजेपी विधायकों को 15-15 करोड़ रुपए दिए गए हैं। लेकिन कांग्रेस विधायकों को 15 करोड़ की विकास निधि नहीं दी जा रही है। बीजेपी विधायक के क्षेत्र में भी विकास के दिए जा रहे फंड में भ्रष्टाचार हो रहा है। कमीशन देने पर ही काम हो रहे है। जीतू पटवारी ने कई मुद्दों पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखा है। साथ ही उन्होंने कोविड के दौरान जान गंवाने वालों के बच्चों को शिक्षा देने की मांग की है। पटवारी ने कोविड को लेकर भी सीएम को पत्र लिखा है।

पीसीसी चीफ ने कहा कि सरकार ने वादा किया था कि कोविड में जान गंवाने वाले माता-पिता के बच्चों को सरकार शिक्षा देगी। मां-बाप को खो चुके बच्चों को 5 हजार देने का ऐलान किया गया था। लेकिन कोविड को लेकर बजट में कोई राशि आवंटित नहीं की गई। साथ ही कोविड में काम करते हुए जिन कर्मचारियों की मौत हुई, उनको शहीद का दर्जा मिलेगा वह भी नहीं मिला। पटवारी ने सीएम को लिखा कि आपने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते समय

बोले- सभी विधायकों को दिए जाए समान अवसर

पीसीसी चीफ ने आगे लिखा, मध्य प्रदेश की जनता ने अपने विधायकों को उनके क्षेत्र के विकास के लिए चुना है, न कि भेदभाव और भ्रष्टाचार झेलने के लिए। यदि आपकी सरकार वास्तव में सबका साथ, सबका विकासकी नीति में विश्वास रखती है, तो इस अन्यायपूर्ण नीति को तुरंत समाप्त किया जाए और सभी विधायकों को समान अवसर और अधिकार दिए जाएं। आशा है कि आप मध्य प्रदेश की खराब होती छवि को लेकर गंभीरता से विचार करेंगे और जनहित में अपनी संकीर्ण सोच और मानसिकता से मुक्त होकर मुख्यमंत्री के मूल कर्तव्य का निर्वहन करेंगे।

राज्य में भ्रष्टाचार और कमीशन का बोलबाला

निष्पक्ष और समान भाव से सभी नागरिकों की सेवा करने का वचन दिया था, लेकिन वर्तमान परिदृश्य यह दर्शाता है कि सरकार पक्षपातपूर्ण संकीर्ण राजनीति कर रही है। कांग्रेस विधायकों के क्षेत्र में जनता भी निवास करती है, जो करदाता हैं और जिन्हें समान रूप से सरकारी योजनाओं और विकास कार्यों का लाभ मिलना चाहिए। यदि एक लोकतांत्रिक सरकार ही अपने दायित्वों का निर्वहन भेदभाव के आधार पर करने लगे, तो इससे जनता का विश्वास प्रणाली से उठ जाएगा। पटवारी ने लिखा कि इसके बाद भी नौकरशाही और ठेकेदारी के स्तर पर व्यापक भ्रष्टाचार और कमीशन का बोलबाला है, जिससे जनता के विकास के नाम पर स्वीकृत धन का बहुत कम अंश वास्तविक कार्यों में लगता है। यदि मोटे तौर पर अनुमान लगाया जाए तो एक लाख रुपए में से करीब 65 से 70 हजार रुपया भ्रष्टाचार और कमीशन में चला जाता है और केवल 30-35 प्रतिशत राशि विकास के नाम पर खर्च होती है।

विधेयकों पर पारदर्शिता नहीं रख रही भजन सरकार : जूली

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भजन लाल सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि अरफात कंपनी मामले में अब तक मजदूरों को उनका पैसा नहीं मिला है, जबकि इस विषय पर वे सुबह से अपनी बात रख रहे थे।टीकाराम जूली ने रीको को लैंड यूज परिवर्तन का अधिकार देने वाले विधेयक पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि यदि यह विधेयक पारित हो जाता तो कई बड़े लोग कम कीमत में खरीदी गई जमीन पर प्लॉटिंग, मॉल और फ्लैट बनाकर महंगे दामों में बेचते। उन्होंने इसे जनता के हितों के खिलाफ बताते हुए कहा कि इस बिल को पहले जनमत के लिए भेजा जाना चाहिए था या फिर पूरी तरह से वापस ले लेना चाहिए। जूली ने दावा किया कि इस बिल का सत्ता पक्ष के कई विधायकों ने भी विरोध किया था, जिससे यह स्पष्ट होता है कि सरकार की मंशा पर संदेह किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार ने इसे प्रवर समिति को भेज दिया है, लेकिन यह जनता के हितों को सुरक्षित रखने के लिए पर्याप्त नहीं है। नेता प्रतिपक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि 2018 में सरकार ने अपने कर्मचारियों को नियमित करने का कानून पारित किया था, जिसे बाद में कांग्रेस सरकार के दौरान निरस्त कर दिया गया। उन्होंने सरकार से मांग की है कि जनहित से जुड़े ऐसे विधेयकों पर पारदर्शिता बरती जाए और बिना जनमत के कोई भी निर्णय न लिया जाए।

जीत के साथ शुरुआत करना चाहेंगी आरसीबी-केकेआर

» मुकाबला सात के बजाए 7:30 बजे होगा शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच होने वाले मुकाबले के साथ ही आईपीएल 2025 की शुरुआत होगी। दोनों ही टीमें इस बार नए कप्तान की अगुआई में खेलने उतरेंगी। कोलकाता इस बार अपने खिताब का बचाव करने के इरादे से उतरेगी, जबकि आरसीबी की नजरें अपना पहला खिताब हासिल करने पर टिकी होंगी। केकेआर और आरसीबी के बीच आईपीएल 2025 का मुकाबला भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे शुरू होगा। टॉस इससे आधे घंटे पहले यानी शाम 7:00 बजे होगा।

कोलकाता और आरसीबी दोनों ही जीत के साथ शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। सॉल्ट पिछले सीजन तक केकेआर का हिस्सा थे, लेकिन इस बार वह बेंगलुरु फ्रेंचाइजी के लिए खेलेंगे। अब केकेआर के पास क्विंटन डिकॉक उपलब्ध हैं जो नरेन के साथ ओपनिंग के लिए आ सकते हैं। नरेन को ओपनिंग में उतारने का फैसला पूर्व मेंटर गौतम गंभीर का था जो अब टीम के साथ नहीं है क्योंकि वह भारतीय टीम के मुख्य कोच बन चुके हैं। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या नरेन ही ओपनिंग करने आएंगे या नए मेंटर ड्वेन ब्रावो कोई नई रणनीति बनाएंगे। कोलकाता की टीम अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में उतरेगी क्योंकि टीम को अपनी कप्तानी में खिताब दिलाने वाले श्रेयस अय्यर अब पंजाब किंग्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। वहीं, आरसीबी की अगुआई रजत पाटीदार करेंगे। रहाणे छह साल बाद आईपीएल में किसी टीम की कप्तानी करते नजर आएंगे और उनके पास खिताब बचाव रखने की कठिन चुनौती होगी। आरसीबी में हमेशा की तरह इस बार भी स्टार खिलाड़ी भरे हुए हैं, लेकिन देखना दिलचस्प होगा कि टीम का रवैया कैसा रहता है।

विराट का सामना करने के लिए उत्सुक हैं वरुण

कोलकाता। केकेआर के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती का कहना है कि वह सीजन के पहले मैच में कोहली का सामना करने के लिए उत्सुक हैं। वरुण भारतीय टीम में वापसी के बाद से शानदार फॉर्म में चल रहे हैं और उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा हुआ है। वरुण ने आरसीबी के खिलाफ मुकाबले से पहले कहा, कोहली के खिलाफ खेलने को लेकर निश्चित रूप से उत्साहित हूं। जाहिर है, उन्होंने मेरे खिलाफ अच्छी बल्लेबाजी की है और मैं भी उनके खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करना चाहूंगा। वरुण ने नरेन को लेकर कहा, नरेन इस खेल के दिग्गज हैं। इस साल हमारे बीच कुछ बातचीत हुई है और दिख रहा है कि वह काफी तैयारी के साथ आए हैं। वह आईपीएल में वैसा ही प्रदर्शन करना चाहते हैं जैसा उन्होंने पिछले साल किया था।

विदेशों में बढ़ रहा भारतीयों की सजा देने का आंकड़ा!

» यूएई में 25, सउदी अरब में 11, मलेशिया में 6 भारतीय को हैंग टिल डेथ

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। विदेशी जेलों में भारतीय विचाराधीन कैदियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यही नहीं भारतीय कैदियों को मौत की सजा देने का ग्राफ भी तेजी से उपर की तरफ जा रहा है। इस समय विदेशी जेलों में 10 हजार से ज्यादा भारतीय बंद है। 2024 में जहां सउदी अरब और कुवैत में तीन-तीन भारतीयों को मौत की सजा सुनाई गयी थी वहीं वहीं इस वर्ष दुबई, अबूधाबी, शारजाह , अलएन, रासलखेमा सहित यूएई मुल्कों ने 25 भारतीय को मौत की सजा सुनाई है।

विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने राज्यसभा में पूछे गये एक सवाल का लिखित जवाब देते हुए कहा है कि 2024 में कुवैत और सऊदी अरब में तीन-तीन भारतीय नागरिकों को मृत्युदंड की सजा दी गयी है। विदेश मंत्रालय से पूछा गया था कि क्या कई भारतीय विदेशों में सालों से जेलों में बंद हैं? साथ ही उन भारतीयों का विवरण भी पूछा गया था जो विदेशों में मौत की सजा का इंतजार कर रहे हैं। उन प्रयासों के बारे में भी जानकारी मांगी गई थी, जो उनकी जान बचाने के लिए भारत सरकार कर रही है। इन सवालों के जवाब में कीर्ति वर्धन सिंह ने बताया है कि मौजूदा समय में विदेशी जेलों में विचाराधीन कैदियों सहित भारतीय कैदियों की संख्या 10,152 है। विदेश मंत्रालय से यह भी पूछा गया कि क्या पिछले पांच वर्षों में किसी भारतीय को विदेशी देशों में मृत्युदंड दिया गया है ? इस सवाल के जवाब में सिंह ने कहा कि मलेशिया, कुवैत, कतर और सऊदी अरब में ऐसी सजा दी गई हैं।

इस दिशा में भारत सजग है

विदेश मंत्री के मुताबिक सरकार विदेशी जेलों में बंद भारतीय नागरिकों की सुरक्षा, संरक्षा और कल्याण को उच्च प्राथमिकता देती है। उन्होंने कहा कि विदेशों में भारतीय मिशन/पोस्ट भारतीय नागरिकों को हर संभव सहायता प्रदान करते हैं जिन्हें विदेशी न्यायालयों द्वारा मृत्युदंड सहित सजा सुनाई गई है। भारतीय मिशन/पोस्ट जेलों का दौरा करके काउंसलिंग की पहुंच भी प्रदान करते हैं। न्यायालयों, जेल, लोक अभियोजकों और अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ उनके मामलों का अनुसरण करते हैं। जेल में बंद भारतीय नागरिकों को अपील, दया याचिका आदि दायर करने सहित विभिन्न कानूनी उपायों की खोज करने में भी सहायता की जाती है।

राष्ट्रगान के अनादर को लेकर नीतीश के खिलाफ केस दर्ज

» 28 मार्च को होगी अगली सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के सीएम नीतीश कुमार के खिलाफ मुजफ्फरपुर के सीजीएम की पश्चिमी अदालत में अधिवक्ता सूरज कुमार ने परिवाद दायर किया है। दरअसल, एक कार्यक्रम के दौरान नीतीश द्वारा राष्ट्रगान का अपमान मामले का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इसको लेकर मामला कोर्ट में आ गया।

दरअसल, राष्ट्रगान के लिए सभी खड़े थे और राष्ट्रगान के बीच ही मुख्यमंत्री पत्रकारों का अभिवादन करने लगे और बगल में खड़े वरीय अधिकारी को भी इशारा किया था, जिसको लेकर राष्ट्रगान का अपमान बताते हुए मुजफ्फरपुर के अधिवक्ता सूरज कुमार ने बीएनएस की धारा-352 और 298 के तहत मुकदमा दर्ज कराया है। अदालत ने 28 मार्च को सुनवाई की तिथि मुकर्रर की है।

'इन गलियों में' लखनऊ की तंग गलियों से उठी मोहब्बत और भाईचारे की मिसाल

» जावेद जाफरी और विवान शाह की दमदार अदाकारी से सजी एक सामाजिक संदेशवाहक फिल्म

» लोगों को अपनी ओर खींच रही, रेटिंग में टॉप पर कर रही ट्रेंड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। निर्देशक अविनाश दास की नई पेशकश 'इन गलियों में' हाल ही में सिनेमाघरों में रिलीज़ हुई है, जो लखनऊ की तंग गलियों की पृष्ठभूमि में हिंदू-मुस्लिम सौहार्द और सामाजिक ताने-बाने को बखूबी पेश करती है। फिल्म में जावेद जाफ़री, विवान शाह और अवंतिका दासानी मुख्य भूमिकाओं में हैं, जिन्होंने अपने सशक्त अभिनय से कहानी में जान डाल दी है।

फिल्म की कहानी लखनऊ की दो गलियों–हनुमान गली और रहमान गली–पर केंद्रित है, जहां हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोग वर्षों से मिल-जुलकर रहते आए हैं। हरि राम (विवान शाह) और शब्बो (अवंतिका दासानी) सब्जी विक्रेता हैं, जिनके बीच एकतरफा प्रेम कहानी चलती है।

मिर्जा (जावेद जाफ़री) चाय और कबाब की दुकान चलाते हैं और अपनी शायरी से मोहब्बत और भाईचारे का पैगाम देते हैं।

कहानी में ट्विस्ट तब आता है जब एक स्थानीय नेता चुनावी लाभ के लिए इन गलियों में नफरत का बीज बोने की कोशिश करता है।

निर्देशन और पटकथा
सामाजिक संदेश के साथ मनोरंजन का संगम

अविनाश दास ने इस फिल्म के माध्यम से वर्तमान सामाजिक परिदृश्य पर गहरा प्रहार किया है। पुनर्वसु द्वारा लिखित पटकथा में हिंदी, उर्दू और अवधी भाषा का सुंदर संगम देखने को मिलता है, जो फिल्म को और भी प्रामाणिक बनाता है। फिल्म सोशल मीडिया के प्रभाव और उसके सदुपयोग-दुरुपयोग पर भी प्रकाश डालती है।

अभिनय : जावेद जाफरी का उत्कृष्ट प्रदर्शन

मिर्जा के किरदार में जावेद जाफ़री ने अपने उत्कृष्ट अभिनय से दर्शकों का दिल जीता है। उनकी शायरी और संवाद अदायगी फिल्म की जान हैं। विवान शाह और अवंतिका दासानी ने भी अपने-अपने किरदारों में जान डालने का सफल प्रयास किया है। सुशांत सिंह ने नेता के किरदार में अपनी छाप छोड़ी है।

संगीत : कहानी को संगीतमय स्पर्श

फिल्म का संगीत कहानी के साथ मेल खाता है, जो दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ता है। गीतों में स्थानीयता की झलक और मेलोडी का समावेश फिल्म के अनुभव को और भी समृद्ध बनाता है।

जरूर देखें यह फिल्म

'इन गलियों में' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि समाज के वर्तमान हालात पर एक विचारणीय प्रस्तुति है। यह फिल्म हमें सोचने पर मजबूर करती है कि कैसे हम अपने आसपास के माहौल को बेहतर बना सकते हैं। जिन दर्शकों को सामाजिक मुद्दों पर आधारित फिल्में पसंद हैं, उन्हें ये फिल्म जरूर देखना चाहिए है।'इन गलियों में' वर्तमान समय की एक महत्वपूर्ण फिल्म है, जो मनोरंजन के साथ-साथ सामाजिक संदेश भी देती है। यह फिल्म हमें अपने समाज को समझने और उसमें सकारात्मक बदलाव लाने की प्रेरणा देती है।

संविधान विरोधी कदमों का समर्थन कर रहे नेताओं से रहें दूर: मदनी

» नीतीश, नायडू और चिराग जैसे नेता सत्ता की खातिर मुसलमानों के खिलाफ हो रहे अन्याय को कर रहे हैं नजरअंदाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रमुख मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने कहा है कि वक्फ (संशोधन) विधेयक पर रुख को देखते हुए वह नीतीश कुमार, एन चंद्रबाबू नायडू और चिराग पासवान के इफ्तार, ईद मिलन और दूसरे कार्यक्रमों का बहिष्कार करेगा तथा दूसरे मुस्लिम संगठनों को भी ऐसा करना चाहिए।

जमीयत प्रमुख मौलाना अरशद मदनी ने एक बयान में आरोप लगाया कि ये नेता सरकार के 'संविधान विरोधी कदमों' का समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया देश में इस समय जिस तरह के हालात हैं और खासकर अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से मुसलमानों के साथ जो अन्याय और अत्याचार किया जा रहा है, वह किसी से छुपा नहीं है। लेकिन यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि खुद को धर्मनिरपेक्ष और मुसलमानों का हमदर्द बताने वाले नेता, जिनकी राजनीतिक सफलता में मुसलमानों का भी योगदान रहा है, वे सत्ता के लालच में न केवल खामोश हैं, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से अन्याय का समर्थन भी कर रहे हैं। अरशद मदनी ने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार, चंद्रबाबू नायडू और चिराग पासवान जैसे नेता सत्ता की खातिर न केवल मुसलमानों के खिलाफ हो रहे अन्याय को नजरअंदाज कर रहे हैं, बल्कि देश के संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की भी अनदेखी कर रहे हैं।

वक्फ संशोधन विधेयक पर नेताओं का रवैया दोहरा चरित्र

वक्फ संशोधन विधेयक पर इन नेताओं का रवैया इनके दोहरे चरित्र को उजागर करता है। ये नेता केवल मुसलमानों के वोट हासिल करने के लिए दिखावे का धर्मनिरपेक्षता को अपनाते हैं, लेकिन सत्ता में आने के बाद मुस्लिम समुदाय के मुद्दों को पूरी तरह भुला देते हैं। इसी के मद्देनजर जमीयत उलमा-ए-हिंद ने निर्णय लिया है कि वह ऐसे नेताओं के आयोजनों में शामिल होकर उनकी नीतियों को वैधता प्रदान नहीं करेगी।

यूपी पुलिस को 'सुप्रीम' फटकार

» जबरन धर्मांतरण एक्ट लगाने पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कथित सामूहिक बलात्कार के एक मामले से निपटने के तरीके को लेकर उत्तर प्रदेश पुलिस को फटकार लगाई और मौखिक रूप से टिप्पणी की कि वह पक्षपाती है और मामले में धर्मांतरण कानून लागू करना अनुचित है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने दो न्यायाधीशों वाली पीठ की अध्यक्षता करते हुए कहा मैं इस शब्द का इस्तेमाल नहीं करना चाहता, राज्य पुलिस भी पक्षपाती है, यह कैसे हो सकता है? तथ्य खुद ही बोलते हैं, और आप बिना किसी कारण के धर्मांतरण अधिनियम लागू कर रहे हैं। पीठ में न्यायमूर्ति संजय कुमार भी शामिल थे, 5 सितंबर, 2024 के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली अपील पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें एक हिंदू महिला, जिसकी पहले से ही एक बेटी थी, को जबरन इस्लाम में परिवर्तित करने और उसके साथ 'निकाह' करने के आरोपी व्यक्ति को जमानत देने से इनकार कर दिया गया था। उसे ज़मानत देने से इनकार करते हुए, हाईकोर्ट ने कहा कि संविधान प्रत्येक व्यक्ति को अपने धर्म को मानने, उसका पालन करने और उसका प्रचार करने का मौलिक अधिकार प्रदान करता है।

हालाँकि, अंतरात्मा और धर्म की स्वतंत्रता के व्यक्तिगत अधिकार को धर्मांतरण के सामूहिक अधिकार के रूप में नहीं समझा जा सकता है, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार धर्मांतरण करने वाले व्यक्ति और धर्मांतरित होने वाले व्यक्ति दोनों का समान रूप से है।

बिहार दिवस के कार्यक्रम के बीच धंसा स्कूल, एक दर्जन बच्चे हुए घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नवगछिया। तिनटंगा प्रखंड के दक्षिण पंचायत अंतर्गत कुतरु मंडल दास टोला प्राथमिक विद्यालय परिसर में अचानक कक्षा की जमीन धंस गई। बिहार दिवस के मौके पर शनिवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान ये हादसा हुआ। इसमें एक दर्जन से अधिक बच्चे गिरकर जख्मी हो गए। घटना के बाद स्कूल में अफरा-तफरी मच गई।

स्थानीय लोगों के सहयोग से सभी घायल बच्चों को स्थानीय चिकित्सकों के माध्यम से उपचार कराया गया। जानकारी के अनुसार प्राथमिक विद्यालय कुतरु मंडल टोला के वर्ग कक्ष एक के भवन में बिहार दिवस का कार्यक्रम चल रहा था। इसी दौरान अचानक उत्तर की ओर की दीवार के नीचे की जमीन धंस गई, जिससे कुर्सियों में बैठे बच्चे गिरकर जख्मी हो गए।

नयी लाशें बिछाने के लिए गड़े मुर्दे उखाड़ दिए: संजय

» यूबीटी शिवसेना सांसद बोले- मणिपुर के बाद अब महाराष्ट्र जल रहा है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राज्यसभा में शिवसेना (यूबीटी) सदस्य संजय राउत ने औरंगजेब की कब्र का मुद्दा उठाते हुए कहा कि मणिपुर के बाद अब महाराष्ट्र जल रहा है और नागपुर में दंगे हो रहे हैं। शिवसेना सदस्य ने गृह मंत्रालय पर पिछले कुछ सालों में देश को पुलिस राज्य में बदलने का आरोप लगाया।

गृह मंत्रालय के कामकाज पर उच्च सदन में हुयी चर्चा में भाग लेते हुए राउत ने सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि देश को अस्थिर करने की कोशिश कर रही ताकतें बार-बार औरंगजेब का नाम ले रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों में से कुछ महाराष्ट्र सरकार में मंत्री हैं और कुछ केंद्र सरकार में वरिष्ठ पदों पर बैठे हैं। राउत ने मुगल बादशाह की कब्र का जिक्र करते हुए आरोप लगाया, ''नयी लाशें बिछाने के लिए गड़े मुर्दे उखाड़ दिए और वह भी औरंगजेब के नाम पर। आपको औरंगजेब की कब्र तोड़नी है तो आपको किसने रोका है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राज्य और केंद्र में भाजपा की सरकार है। उन्होंने कहा कि अब तक मणिपुर जल रहा था, लेकिन अब महाराष्ट्र भी जल रहा है। राउत ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्वाचन क्षेत्र में हुए ''दंगों'' का जिक्र किया। उन्होंने कहा ''पिछले 300 वर्षों में नागपुर में कोई दंगा नहीं हुआ। यह नागपुर का रिकॉर्ड रहा है।''

देश को 'पुलिस राज्य' में बदल दिया गया है

उन्होंने कहा कि देश की एकता और अखंडता को बनाए रखना गृह मंत्रालय का काम है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में देश को 'पुलिस राज्य' में बदल दिया गया है और गृह मंत्रालय राजनीतिक विरोधियों को कमजोर कर रहा है और राजनीतिक दलों को तोड़ रहा है। छत्रपति संभाजीनगर जिले में औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग को लेकर विश्व हिंदू परिषद के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन के दौरान पवित्र आयत लिखी चादर जलाने की अफवाहों के बाद सोमवार शाम नागपुर के कई हिस्सों में बड़े पैमाने पर पथराव और आगजनी की घटनाएं हुईं।

मुस्लिम भाइयों और बहनों को धमकाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा : अजित पवार

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने हाल ही में उन लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का वादा किया है जो मुस्लिम समुदाय को डराने या राज्य में सांप्रदायिक विवाद पैदा करने का

प्रयास करते हैं। रमजान के मौके पर मुंबई के मरीन लाइन्स में इफ्तार पार्टी के दौरान बोलते हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी-अजित पवार) सुप्रीमो ने कहा, भारत विविधता में एकता का प्रतीक है। हमें किसी भी विभाजनकारी ताकतों के जाल में नहीं फंसना चाहिए। पवार ने कहा कि यदि कोई हमारे मुस्लिम भाइयों और बहनों को धमकाने या सांप्रदायिक विवाद पैदा करने की हिम्मत करता है, तो उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। मुस्लिम समुदाय को अपने समर्थन का आश्वासन देते हुए उन्होंने कहा कि आपके भाई अजित पवार आपके साथ हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।